संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

15वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-056 ◆ रायपुर, शनिवार 27 जुलाई 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बड़ी ताकत के रूप में उभरा भारत

सरकार गांव, गरीब, किसानों की हित चिंतक: मुख्यमंत्री

भारत आर्थिक रूप से दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी शक्ति

मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर छत्तीसगढ़ विधानसभा ने दी बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि नरेन्द्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को पूरा करने का काम कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हमारे प्रधानमंत्री ने शांतिपूर्वक तरीके से हटा दिया। उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से दुनिया की पांचवी सबसे बड़ा ताकत के रूप में खड़ा किया है और 2047 तक इस देश को विकसित भारत के रूप में खड़ा करने का उन्होंने संकल्प लिया है।

विधानसभा में यह प्रस्ताव संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अत्यधिक उंचाईयां प्राप्त की हैं, उनके नेतृत्व में हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में अपना स्थान बना पाएगा। उन्हीं के नेतृत्व में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य भी उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी के साथ प्रथम कार्यकाल में राज्य मंत्री के रूप में मुझे काम करने का अवसर मिला। मैं साक्षी हूं जिस दिन मोदी ने पार्लियामेंट में प्रवेश किया उस दिन झुक कर इस देश की सबसे बड़ी पंचायत (संसद) को प्रणाम करके संसद में प्रवेश किया था और पहले ही दिन के अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि गरीबों का हित चिंतक बने रहेंगे और उन्हें गरीबी रेखा से उपर उठाने सतत प्रयास करेंगे। सरकार गरीबों के लिए समर्पित रहेगी, मेरी यह सरकार गरीबों के लिए काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 2014 को जब श्री नरेंद्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से स्वच्छ भारत मिशन की घोषणा की, तो कुछ लोग उपहास करते थे। यह सफाई और शौचालय निर्माण का काम क्या कोई प्रधानमंत्री सोच सकता है। आज हम सब लोगों को इस बात का पता चल रहा है कि यह योजना कितनी महत्वपूर्ण है। उनके स्वच्छ भारत मिशन की घोषणा के बाद आज हम लोग साफसफाई का महत्व समझे। हमारे प्रधानमंत्री ने करोड़ों परिवारों के घरों में शौचालय का निर्माण कराया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज मुझे बताते हुए गौरव होता है जब 2014 में नरेन्द्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने तब आजादी के 65 वर्षों के बाद भी इस देश के 14 हजार से ज्यादा जिन गांवों में बिजली नहीं पहुंची थी, उन घरों में बिजली पहुंचायी गई। 45 करोड़ से ज्यादा गरीबों का जनधन का खाता खोलने का काम पहली बार मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वीकारा था कि हम दिल्ली से 100 रूपए भेजते हैं तो गांव तक 15 रूपए पहुंचता है, किन्तु आज प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में डीबीटी से सीधे राशि पहुंचाई जा रही है। उन्हें सफल प्रधानमंत्री के रूप में गांव, गरीब, किसान का आशीर्वाद मिल रहा है, जिससे देश और राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रथम कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपरीत परिस्थितियों में देश की सत्ता का नेतृत्व किया, लेकिन अपने कुशल नेतृत्व के कारण परिस्थितियों को अपने अनुकूल भी बना लिया। उन्होंने भारत को विश्व में एक अलग पहचान दिलाई। मोदी के नेतृत्व में भारत प्रत्येक क्षेत्रों में विकास करते हुए आगे बढ़ रहा है, जिसका लाभ देश की जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सूझबूझ से 140 करोड़ आबादी वाले भारत में कोरोना को कंट्रोल किया और कोरोना से बचाव के लिए 200 करोड़ से भी ज्यादा वैक्सीन उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने संकल्प के साथ मोदी जी की गारंटी को पूरा कर दिखाया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रथम कार्यकाल में शपथ लेते हुए कहा था कि मेरी सरकार गरीबों के लिए समर्पित सरकार रहेगी, मेरी यह सरकार गरीबों के लिए काम करेगी। उनका पहला कार्यकाल गरीबों के लिए काम करते हुए बीता, जो आज एक मिसाल है। उन्होंने निचले तबके के लोगों को सम्मान के साथ जीवन बिताने के योग्य बनाया, जिससे आज निचले तबके के लोग सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रस्ताव पर उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव और श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी सहित अन्य विधायकों ने भी अपने विचार रखे।

आज का पंचांग

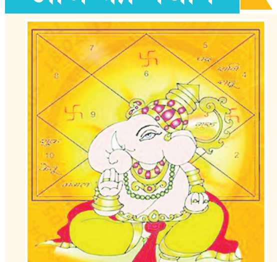

तिथि	सप्तमी
नक्षत्र	रेवती
प्रथम करण	विष्टि
द्वितीय करण	बव
पक्ष	कृष्ण
वार	शनिवार
योग	धृति
सूर्योदय	05.41
सूर्यास्त	19.13
चंद्रमा	मेष
राहुकाल	09.04
	10.46
विक्रमी संवत्	2081
शक संवत	1944
मास	श्रावण
शुभ मुहूर्त	अभिजीत

सुनील कुमार ने सम्हाला एसईसीएल के निदेशक का पदभार

बिलासपुर। डी. सुनील कुमार ने गुरुवार एसईसीएल के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण किया। उनके एसईसीएल मुख्यालय आगमन पर एसईसीएल सीएमडी डॉ. प्रेम सागर मिश्रा और अन्य निदेशकों ने उनका स्वागत किया। कुमार को कोयला उद्योग में वित्त प्रबंधन के क्षेत्र में लगभग 35 वर्षों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश से बीकॉम और आंध विश्वविद्यालय से फाइनेंस में एमबीए की डिग्री हासिल की है। कोयला उद्योग में उन्होंने मुख्यालय और क्षेत्रीय स्तर पर वित्तीय प्रबंधन और कॉस्ट कंट्रोल के माध्यम से लाभ बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एसईसीएल में नियुक्ति से पहले, कुमार एनसीएल में महाप्रबंधक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे।

कार चालक युवक ने बाइक सवार को एक किलोमीटर तक घसीटा

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. गुरुवार देर रात तेज रफ्तार कार चालक ने एक युवक को सिद्धार्थ चौक से बूढ़ापारा चौक तक घसीटा. रास्ते पर स्थानीय लोगों ने इस घटना को देखा तो उन्होंने कार का पीछा कर उसे रोका और कार में फंसे युवक की जान बचाई. इस बीच उसने पुलिस लाईन पेट्रोल पंप से लेकर पुरानी बस्ती थाने तक कई लोगों को टक्कर मारी, जिसमें 8 से 10 लोग घायल हो गए हैं. फिलहाल कुछ घायलों का इलाज निजी अस्पताल में और कुछ घायलों का इलाज मेकाहारा अस्पताल में जारी है. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस में दी जिसके बाद पुलिस ने तेज रफ्तार कार चालक को घेराबंदी कर दबोचा. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कार में युवक और युवती सवार थे.

छत्तीसगढ़ में खुलेंगे सैनिक स्कूल

बृजमोहन के सवाल पर रक्षा मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली/रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में रक्षा मंत्रालय से छत्तीसगढ़ राज्य और विशेष रूप से रायपुर संसदीय क्षेत्र में बालिका सैनिक विद्यालय खोलने की योजना पर सवाल किया है। जिस पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने जानकारी दी है कि, रक्षा मंत्रालय ने देश में गैर सरकारी संगठन/ न्यास/ निजी/ सरकारी स्कूलों के साथ साझेदारी रीति में नए सैनिक स्कूल खोल रहा है। जिसकी शुरुवात उत्तरप्रदेश से ही चुकी है। जहां मथुरा में संविद गुरुकुलम उच्च माध्यमिक स्कूल को पूर्णरुपेण-बालिका सैनिक स्कूल के रूप में मंजूरी दी गई है। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में भी यह प्रयोग हो सकता है। साझेदारी रीति के तहत स्थापित किए जाने वाले नए सैनिक स्कूल की स्थापना का खर्च संबंधित इकाई/एजेंसी द्वारा वहन किया जाएगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भविष्य की प्रौद्योगिकी और उन्नत सुरक्षा विशेषताओं वाले ई-पासपोर्ट शुरू करने के लिए विदेश मंत्रालय से उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी थी। जिसपर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि, केंद्र सरकार एम्बेडेड चिप के साथ ई-पासपोर्ट शुरू करने के लिए कदम उठाए हैं। वर्तमान में, भुवनेश्वर और नागपुर स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में ई-पासपोर्ट की परियोजना का परीक्षण चल रहा है। इसके सफलतापूर्वक आरंभ होने और अपेक्षित प्रमाणीकरण के बाद, इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में शेष क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में शुरू किया जाएगा। ई-पासपोर्ट एक संयुक्त कागज और इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट है, जिसमें एक एम्बेडेड रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) चिप और इनले के रूप में एम्बेडेड एंटीना है।

पिरदा बारूद फैक्ट्री में विस्फोट पर कांग्रेस ने पेश किया ध्यानाकर्षण, विपक्ष को नहीं भाया मंत्री का जवाब, बहिर्गमन

रायपुर। विधानसभा में पिरदा में बारूद फैक्ट्री में विस्फोट पर कांग्रेस विधायक राघवेन्द्र सिंह और शेषराज हरबंश ने ध्यानाकर्षण पेश किया. कांग्रेस विधायकों ने फैक्ट्री में सुरक्षा मापदंडों का पालन नहीं होने पर सवाल उठाया. इस पर मंत्री लखन लाल देवांगन के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने बहिर्गमन किया

मंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि लगातार फैक्ट्री का निरीक्षण किया गया है. पाई गई कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए गए थे. समय-समय पर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने भी कहा गया था. फैक्ट्री में हुए दुर्घटना की जांच की गई है, जिसके बाद सभी विनिर्माण प्रक्रिया को रोकने के लिए आदेश जारी किया गया था, जो अब भी प्रभावशील है. प्रबंधन के खिलाफ अपराधिक प्रकरण भी दर्ज है. कांग्रेस विधायक राघवेन्द्र सिंह ने पूछा कि क्या फैक्ट्री में सुरक्षा के पूरे इंतजाम थे. मंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि 1991 से फैक्ट्री संचालित है. श्रमिक लंबे समय से काम कम रहे थे, उन्हें सभी जानकारी थी. मामले में दंडाधिकारी जांच भी की जा रही है. फैक्ट्री में कई अनियमितताएं पाई गई हैं, इसलिए लाइसेंस निरस्त किया गया है.

मंत्री ने बताया कि अभी पिरदा की फैक्ट्री में काम पूरी तरह बंद है, नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है. सरकार श्रमिकों के साथ है, फैक्ट्री प्रबंधन ने 35 लाख और सरकार ने 5 लाख की सहायता उपलब्ध कराई है. सरकार किसी का बचाव नहीं कर रही है, हम श्रमिकों के साथ हैं.

जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच मोदी का पाक को कड़ा संदेश

नई दिल्ली। आज से 25 साल पहले कारगिल के द्रास-बटालिक सेक्टर में हुए युद्ध में मुंह की खाने वाले पाकिस्तान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़ा संदेश दिया है। लंबे समय से पाकिस्तान के नापाक इरादों पर चुप्पी साधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर खरीखोटी सुनाई है। प्रधानमंत्री का यह संदेश पाकिस्तान के लिए बड़ा सबक है, वह भी तब जब पाकिस्तान जम्मू में अपनी आतंकी गतिविधियां जारी रखे हुए है। कारगिल युद्ध के 25 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नियंत्रण रेखा से बमुश्किल दो मील की दूरी पर खड़े होकर पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया कि उसने हार से कुछ नहीं सीखा है और आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखे हुए है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी जम्मू सेक्टर के जवाब में थी, जहां हाल के दिनों में आतंकी गतिविधियों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

मुझे मत सिखाओ, बल्कि मेरे से सीख लो, बांग्लादेशियों को शरण देने वाले मुद्दे पर विदेश मंत्रालय को ममता की नसीहत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के शरणार्थियों को आश्रय देने की उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) पर पलटवार किया। बनर्जी ने कहा कि मैं संघीय ढांचे को अच्छी तरह से जानती हूं।

मैं सात बार सांसद रही, मैं दो बार केंद्रीय मंत्री रही। मैं विदेश मंत्रालय की नीति को किसी और से बेहतर जानती हूं। उन्हें मुझे सबक नहीं सिखाना चाहिए। उन्हें इससे सीखना चाहिए। नौकरी में आरक्षण के विरोध को लेकर बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों के बाद ममता बनर्जी ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत बांग्लादेशी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की थी। उनकी टिप्पणी कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आई, जहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में कहा कि अगर असहाय लोग बंगाल के दरवाजे पर दस्तक देंगे तो हम निश्चित रूप से उन्हें आश्रय देंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बनर्जी की टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राजनयिक चैनलों के माध्यम से कहा कि उनकी टिप्पणियां भ्रम पैदा कर सकती हैं और जनता को गुमराह कर सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसे ममता बनर्जी की टिप्पणी पर ढाका से एक लिखित आपत्ति मिली है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विदेशी संबंधों से जुड़े मामले केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है।

उड़ान योजना के अंतर्गत अंबिकापुर, बिलासपुर और जगदलपुर हवाई अड्डों का चयन

रायपुर। भारत सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के अंबिकापुर, बिलासपुर और जगदलपुर हवाई अड्डों को विकास और संचालन के लिए चिन्हित किया गया है। यह जानकारी राज्य सभा में केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, मुरलीधर मोहोल ने छत्तीसगढ़ से राज्य सभा सांसद श्रीमती फूलो देवी नेताम के अतारांकित प्रश्न के उत्तर में दी। उड़ान योजना के तहत इन हवाई अड्डों के विकास के लिए कुल 215.13 करोड़ रूपए आवंटित किए गए हैं। इसमें से 30 जून, 2024 तक 191.64 करोड़ रूपए व्यय किए जा चुके हैं। अंबिकापुर के लिए 90 करोड़, बिलासपुर के लिए 55 करोड़ और जगदलपुर के लिए 70.13 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। उड़ान योजना का मुख्य उद्देश्य देश के छोटे और मध्यम आकार के शहरों को बेहतर हवाई संपर्क प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत, छत्तीसगढ़ के इन तीन प्रमुख हवाई अड्डों का चयन, राज्य में हवाई यातायात और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत प्रमुख पर्यटक आकर्षणों पर हेलीकॉप्टर टैक्सियों को बढ़ावा देने के संबंध में अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

सफलता

जगरगुण्डा के 3 वारदातों में शामिल में 6 नक्सली विस्फोटक के साथ गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस वाहन को आईईडी विस्फोट करने की घटना में संलिप्त नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत कैम्प टेकलगुड़ेम से 201 वाहिनी कोबरा के हमराह सी/201 वाहिनी कोबरा बल एवं बी+एफ/150 सीआरपीएफ का बल एवं जिला बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन/नक्सली आरोपियों की धरपकड़ हेतु ग्राम तिम्मापुरम व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम तिम्मापुरम पास सादे वेश-भूषा धारण किये कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के द्वारा पुलिस पार्टी को अपने ओर आते हुए देखकर भागने/छिपने लगे, जिनमें से घेराबंदी कर 03 संदिग्धों को पकड़ा गया। पकड़े गये संदिग्धों से पूछताछ करने पर अपना नाम 1. डोडी देवा पिता पाण्डू (कमेटी सदस्य तीमापुरम) निवासी पटेलपारा तिमापुरम थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, 2. कोरसा मोटू पिता हुंगा (मिलिशिया सदस्य,तीमापुरम) निवासी पटेलपारा तीमापुरम थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा एवं 3. माड़वी जोगा पिता हिड़मा (मिलिशिया सदस्य, तीमापुरम) निवासी करकापारा तीमापुरम थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा का होना तथा सभी नक्सल संगठन में उपरोक्त पदों पर कार्य करना बताये।

गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से डोडी देवा पिता पाण्डू के कब्जे से बीजीएल सेल 2 नग, जिलेटिन रॉड 2 नग, वायर लाल-नीला 2 मीटर, पेंसिल सेल 3 नग, कोरसा मोटू पिता हुंगा के कब्जे से टॉप टाईगर बम 3 नग, बारूद लगभग 100 ग्राम, माचिस 2 नग, नक्सल साहित्य एवं माड़वी जोगा पिता हिड़मा के कब्जे से कोर्डेक्स वायर लगभग 2 मीटर, डेटोनेटर 3 नग, माचिस 2 नग, नक्सल साहित्य बरामद किया गया। पूछताछ में बताया कि 23 जून 2024 को ग्राम तीमापुरम के पास सुरक्षा बलों के वाहन को आईईडी ब्लास्ट करने की वारदात में सुरक्षा बलों के 2 जवान शहीद होने की घटना में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल रहना स्वीकार किया गया।

सिलाई, बकरी पालन, मुर्गी पालन व फास्ट फूड के निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 03 अगस्त

महासमुंद। बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिले के युवक व युवतियों के लिए महिला सिलाई प्रशिक्षण, बकरी पालन, मुर्गी पालन व फास्ट फुड (केक मेकिंग) प्रशिक्षण अगस्त माह से प्रारंभ किया जाएगा। निदेशक बैंक ऑफ बड़ौदा (आरसेटी) ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागियों द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 03 अगस्त 2024 तक पंजीयन करा सकते है। पंजीयन के लिए बी.पी.एल. राशन कार्ड की प्रतिलिपि, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज की 5 फोटो, दस्तावेज साथ लाना होगा। प्रतिभागी की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। निःशुल्क प्रशिक्षण पंजीयन के लिए एवं प्रशिक्षण की जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नम्बर 07723-299155, कमलेश पटेल के मोबाईल नम्बर +91-79997-00673, प्रतीक साहेब गुप्ता के मोबाईल नम्बर +91-93402-81974 पर प्रातः 10ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक संपर्क कर सकते है।

उल्लास कार्यक्रम अंतर्गत साक्षर करने दिलाई गई शपथ

महासमुंद। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम'' के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्री प्रभात मलिक के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उपाध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्री एस. आलोक की अध्यक्षता में डाइट के सभाकक्ष में स्वयं सेवकों का सम्मेलन आयोजित हुआ। सीईओ श्री आलोक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 2030 तक सभी युवा, प्रौढ, पुरुष एवं महिलाओं को शत-प्रतिशत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान कराना है। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम केन्द्र प्रवर्तित योजना है जो सभी के लिए शिक्षा के लिए प्रारंभ की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों को सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 35000 असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य है। सम्मेलन में उन्होंने सभी को साक्षर करने हेतु शपथ दिलाई गई। सम्मेलन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री मोहन राव सावंत, डाइट के प्राचार्य श्रीमती मीना पाणिग्रही, सहायक संचालक शिक्षा श्री सतीश नायर, जिला समन्वयक जिला साक्षरता मिशन श्री रेखराज शर्मा, डाइट के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री मोहन राव सावंत ने सीईओ को विकासखण्ड स्तरीय नोडल अधिकारियां से एंट्री कार्य से आ रही परेशानियों के संबंध में अवगत कराया उसका समाधान बताया। सीईओ ने सभी अधिकारियों और शिक्षकों को आम जनता को 'उल्लास नवभारत साक्षरता'' कार्यक्रम के संबंध में जानकारी प्रदान कर तथा अभियान चलाकर एंट्री कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ ने ''उल्लास केंद्र'' तथा शिक्षार्थियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन, उल्लास कार्यक्रम हेतु वातावरण निर्माण, प्रवेशिका निर्माण, पठन-पाठन सामग्रियों की व्यवस्था, ''उल्लास नवभारत साक्षरता'' कार्यक्रम में स्वयं सेवी संस्थाओं एवं अन्य संस्थाओं की व्यवस्थाओं, कुशल प्रशिक्षकों एवं स्वयंसेवी प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण तथा उल्लास केन्द्रों का संचालन आदि की जानकारी ली गई। सीईओ आलोक ने कहा कि 2022-23 से 2024-25 तक जिले के असाक्षरों को स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से साक्षर बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी असाक्षरों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों का शीघ्र ही चिन्हांकन करके उसे उल्लास पोर्टल में दर्ज करना उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर तक एवं नगरीय निकायों में वार्ड प्रभारी की भी चयन कर करें, जिनके माध्यम से यह अभियान सुचारू रूप से समय सीमा में चलाया जाना है।

खाद्यान परिवहन हेतु ई-निविदा खोलने की अंतिम तिथि 2 अगस्त

एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 अन्तर्गत, द्वार प्रदाय परिवहन के लिए एसओआर दर के आधार पर तृतीय ई-निविदा आमंत्रित की गई है। जिसमें बीड प्रारंभ 22 जुलाई 2024 को सुबह 11ः00 बजे एवं बीड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01 अगस्त 2024 को सायंकाल 5ः00 बजे तक नियत की गई है। इसके पश्चात 02 अगस्त 2024 को जिला कार्यालय स्तर पर जिला स्तरीय कमेटी द्वारा अपने जिले के निविदा अन्तर्गत प्राप्त ऑनलाईन टेक्निकल बीड खोली जायेगी, टेक्निकल बीड में क्वालीफाई निविदाकारों की ही प्राईज बीड खोला जाना है। निविदा सूचना वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ CHEPS /security/getSignInAction.do में एवं राज्य सरकार की वेबसाईट https://www.cgstate.gov.in/ पर उपलब्ध है।

उद्यानिकी फसलों में मौसम आधारित फसल बीमा कराने की अंतिम तारीख़ 31 जुलाई

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उद्यानिकी फसलों में मौसम आधारित फसल बीमा कराने हेतु 31 जुलाई 2024 तक का समय तय किया गया है। उद्यानिकी फसलों की खेती कर रहे किसानों को अधिसूचित क्षेत्र के आधार पर 1. तापमान (कम, अधिक) 2. वर्षा (कम, अधिक बेमौसम वर्षा) 3. वायु गति 4. कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम एवं स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर 1. ओलावृष्टि खरीफ मौसम हेतु अधिसूचित फसलें मिर्च, केला एवं पपीता 2. चक्रवाती हवाएँ खरीफ मौसम हेतु अधिसूचित फसलें केला एवं पपीता को होने वाले नुकसान से बचाने के लिये पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू की गई है। खरीफ वर्ष 2024 में जिले के अंतर्गत बीमा कराने वाले कृषकों को अधिसूचित फसल के अनुसार निर्धारित कुल बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक प्रीमियम जो भी कम हो राशि कृषक अंश के रूप में ऋणी एवं अऋणी दोनों प्रकार के कृषकों को जमा करने होंगे। अऋणी कृषक फसल लगाने का स्व घोषित प्रमाण पत्र, नक्शा खसरा, आधार कार्ड, अपने बैंक पासबुक छायाप्रति जिसमें आईएफएससी कोड इत्यादि का उल्लेख हो, जमा कर बीमा करा सकते है। योजना के अंतर्गत ऋणी कृषकों के लिये विकल्प चयन के आधार पर कियान्वित होगी। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते हैं उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथी के 7 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। निर्धारित समय सीमा में हस्ताक्षरित घोषणा पत्र जमा नहीं करने पर संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिये स्वीकृति व नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जावेगा। इस मामले में किसी भी प्रकार की त्रुटि संबंधित बैंक किसानों के स्वीकार दावों के भुगतान के लिये उत्तरदायी होगा।

बीमा के दायरे में आयेंगी ये फसलें- टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता और अमरूद की फसलें अधिग्रहित की गई है। खरीफ मौसम हेतु फसल बीमा के लिये बीमा कराने हेतु अधिकृत संस्थाएँ हैं च्वाइस सेंटर, भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, लोक सेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति तथा विकासखण्ड में स्थापित शासकीय उद्यान रोपणी कमशः शासकीय उद्यान रोपणी, पड़कीडीह, बेमेतरा (मोबा. नं. +91-78282-81733) शासकीय उद्यान रोपणी, मोहगांव, साजा (मोबा. नं. +91-98935-02037) शासकीय उद्यान रोपणी, नेवनारा, बेरला (मोबा. नं. +91-99771-36115) शासकीय उद्यान रोपणी, झिलगा, नवागढ़ (मोबा. नं. +91-78287-24673) से भी संपर्क किया जा सकता है।

बालोद पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

थाना डौण्डीलोहारा के ग्राम कोटेरा मे हुआ था ग्रामीण की हत्या आरोपी गिरफ्तार

आरोपी भुनेश्वर ठाकुर

बालोद। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी केशव ठाकुर निवासी ग्राम भर्रीटोला कुसुमकसा ने दिनांक 26.07.2024 को सुचना दिया कि संजय ठाकुर पिता ब्यासुत ठाकुर निवासी कोटेरा थाना डौण्डीलोहारा जो कि गांव कोटेरा के फार्म हाउस बाड़ी में मृत अवस्था में पड़ा है, जिसकी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दिया गया है।

जिसकी रिपोर्ट पर थाना डौण्डीलोहारा मे मर्ग क्रमांक 46/2024 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर मामला प्रथम दृष्टया पाया जाने से अपराध क्र 117/2024 धारा 103(1) बीएनएस कायम किया गया। घटना स्थल पर वरिष्ठ अधिकारियो के द्वारा का बारिकी से निरीक्षण कर एफएसएल टीम को बुला कर उनके द्वारा भी घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। थाना डौण्डीलोहारा प्रभारी के नेतृत्व में टीम बना कर गांव में मुखबीर लगाया गया। घटना के संबध में जानकारी प्राप्त कर घटना स्थल जो देवलाल ठाकुर कें फार्म हाउस बाड़ी जो ग्राम कोटेरा में है जिसमें चौकीदार भुनेष्वर नेताम है । प्रार्थी केषव ठाकुर जो अन्य बाड़ी का चौकीदार है बताया कि कल शाम मृतक ओ और आरोपर भुनेष्वर ठाकुर वंहा पर बैठ कर शराब पिये थे और उन दोनो के बीच विवाद भी हुआ था। कि सूचना पर टीम द्वारा चौकीदार भुनेष्वर ठाकुर को पकड़कर पूछताछ करने पर पहले वह गोल मोल जवाब दे रहा था बाद क्रास चेक करने और कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म कबूल किया और बताया कि कल शाम को भुनेष्वर ठाकुर, केषव ठाकुर और संजय ठाकुर ग्राम कोटेरा के बाड़ी में शराब पी रहे थे। कि संजय बार बार उसकी पत्नि जो वंहा खाना बना रही थी के पास जा रहा था। जिससे भुनेष्वर ठाकुर और संजय का झगड़ा हो गया। इसके बाद रात को केषव और भुनेष्वर की पत्नि दोनो वहां से चले गये थे कि रात करीबन 09/10 बजे भुनेष्वर और संजय का फिर आपस में झगडा हुआ जिससे संजय उसकी पत्नि के बारे में अपषब्द बोल रहा था। जिससे भुनेष्वर आक्रोष में आकर बाड़ी में रखे टंगिया से संजय के सिर पर वार कर दिया जिससे उसकी मौके पर मृत्यु हो गई। आरोपी भुनेष्वर ठाकुर को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही किया जा रहा है । आरोपी भुनेश्वर ठाकुर द्वारा पूर्व में हत्या के मामले में जेल काट चुका है।

आरोपी का नाम पताः- भुनेश्वर ठाकुर पिता बेल सिंह उम्र 50 वर्ष पता- ग्राम मडियाकटटा थाना डौण्डीलोहारा, जिला बालोद।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने व आरोपी की गिरफ्तारी में- उप पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर, डौण्डीलोहारा थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मी जायसवाल सउनि अनित राम यादव ,प्र आर. अरविंद यादव , आर. त्रवेष सिन्हा , धमेन्द्र सेन, रूपेष सलामें व थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है।

स्वास्थ्य विभाग की मेहनत से जिले की 133 ग्राम पंचायते हुई क्षयरोग मुक्त

कांकेर। कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा टी.बी. मुक्त भारत 2025 की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से जिले में युद्ध स्तर पर टी.बी. खोजो अभियान चलाया गया, जिसके फलस्वरूप जिले के 133 ग्राम पंचायत को टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत घोषित हुआ है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि भारत सरकार द्वारा टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत की सूची जारी की गई, जिसमें कांकेर जिले के 133 ग्राम पंचायत भी शामिल है। जिले के ग्राम पंचायतों को भारत सरकार द्वारा टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत घोषित करना जिलेवासियों एवं स्वास्थ्य विभाग को गौरवान्वित करता है। उन्होंने बताया कि टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत हेतु जिले के 141 ग्राम पंचायतों ने विभिन्न सूचकांको के आधार पर टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत होने का दावा प्रस्तुत किया था। उक्त दावा किये गये ग्राम पंचायतों का राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय टीम द्वारा सत्यापन कर भारत सरकार को सूची भेजी गई थी। भारत सरकार ने सत्यापन दल द्वारा भेजी गई सूची को पुनः जांच कर 133 ग्राम पंचायतो को टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया है, जिसमें कांकेर के 17, चारामा के 23, अंतागढ़ के 16, दुर्गुकोंदल के 15, भानुप्रतापपुर के 14, नरहरपुर के 28 एवं कोयलीबेड़ा के 20 इस प्रकार कुल 133 ग्राम पंचायतों को 'टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायत' घोषित किया गया है।

जन समस्या निवारण शिविर के द्वितीय चरण में जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने रोपे फलदार एवं छायादार पौधे

एमसीबी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान के तहत मोदी ने दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में एक पीपल का पेड़ लगाया और उन्होंने सभी देशवासियों से इस ग्रह को बेहतर बनाने में योगदान देने का अनुरोध किया और कहा कि पिछले दशक में भारत ने कई सामूहिक प्रयास किए हैं, जिनसे पूरे देश के वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू करने पर बहुत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनिया भर के लोगों से यह आग्रह करता हूं कि वे आने वाले दिनों में अपनी मां को श्रद्धांजलि अर्पित करने के रूप में एक पेड़ जरूर लगाएं।

इसी कड़ी में विगत दिवस जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत अक्तवार में 5 ग्राम पंचायतों अक्तवार, भगवानपुर, च्यूल, खोहरा, और कूदरा को सम्मिलित कर जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल ग्राउंड अक्तवार में जन समस्या निवारण शिविर में जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम पर फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया और पौधों की रक्षा करने का संकल्प भी लिया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी बैगा ने मुनगा का पौधा, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने जामुन का पौधा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने जाम का पौधा, अक्तवार सरपंच श्री अशोक कुमार बैगा ने जाम का पौधा, डीआरडी, नितेश कुमार उपाध्याय ने आम का पौधा, अनिल कुमार अग्निहोत्री मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आम का पौधा, श्री मनीष कश्यप डीएफओ ने अमरूद का पौधा, श्री चंद्रमोहन सिंह पुलिस अधीक्षक ने आम का पौधा, और श्री मानहरण सिंह राठिया तहसीलदार भरतपुर ने जामुन का पौधा लगाया। इस दौरान जन समस्या निवारण शिविर में आए हुए ग्रामीणों को भी वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

खनन क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक, सीएसआर से संबंधित मुद्दों पर हुई चर्चा

कांकेर। कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर ने आज सायं 04 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सीएसआर के अंतर्गत संचालित कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी लेने बैठक ली, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर ने खनन/ खान क्षेत्र के ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं का समाधान करने व स्थानीय आवश्यकताओं को दृष्टिगत करते हुए जरूरी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित सीएसआर के अधीन खनन क्षेत्रों में ग्रामीणों की प्राथमिकता के आधार पर संसाधन मुहैया कराने पर जोर दिया। साथ ही बैठक में खदानों की अनुमति एवं एनओसी जारी करने के संबंध में जिला प्रशासन के साथ परस्पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा विभिन्न निर्माण कार्य, परियोजना एवं वन भूमि का प्रत्यावर्तन एवं हस्तांतरण सहित ग्रामीणों की विभिन्न शिकायतों एवं मांगों, प्रलंबित अनुज्ञा आदि विषयों पर सकारात्मक द्विपक्षीय चर्चा बैठक में की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर बी.एस. उईके, जिला पंचायत के सीईओ सुमित अग्रवाल, एसडीएम अंतागढ़ नरेन्द्र बंजारा, उपायुक्त आदिवासी विकास एल.आर. कुर्रे, सहायक खनि अधिकारी बजरंग सिंह पैकरा सहित विभिन्न उद्योगों के संचालक एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ज़िले में अत्यधिक वर्षा होने के कारण तीन दिन स्कूल ऑगनबाड़ी केंद्रों में रहेगा अवकाश

बेमेतरा। जिले में पिछले चार-पाँच दिनों से अत्यधिक वर्षा होने के कारण कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों और समस्त ऑगनबाड़ी केन्द्रों में आगामी तीन दिवस (दिनांक 27,28 एवं 29 जुलाई 2024 तक) अवकाश घोषित किया है। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। अभिभावकों और विद्यार्थियों को इस दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।यह अवकाश शिक्षकगण, विद्यालयीन स्टॉफ एवं ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के लिए लागू नहीं होगा।

लैण्ड रिकार्ड के डिजिटलाइजेशन हेतु की जा रही है पहल

दंतेवाड़ा। जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में भूमि रिकार्ड के आधुनिकीकरण, व्यापकता और एक पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल किया गया है जिसमें 1950 के दशक से वर्तमान तक के राजस्व रिकार्डस जिसमें बी-1, खसरा, नामांतरण पंजी, मिसल, अधिकार अभिलेख, राजस्व प्रकरण नजूल प्रकरण व्यपवर्तन प्रकरण इत्यादि को स्कैनिंग करने का कार्य कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में भू-अभिलेख शाखा द्वारा संपादित किया जा रहा है। इससे जिले की राजस्व भूमि के बारे में वास्तविक समय की जानकारी में सुधार, भूमि संसाधनो के अधिकतम उपयोग, भूमि स्वामियों को लाभ, भूमि से संबंधित नीति एवं योजना बनाने मे सहायक, धोखाधड़ी बेनामी लेनदेन की जांच करना, फर्जी जाति प्रकरण का त्वरित निराकरण। जाति, निवास, आय एवं भूमि क्रय-विक्रय में लगने वाले समय मे कमी, राजस्व, पंजीकरण कार्यालय में भौतिक आवश्यकता को समाप्त करने, तहसील स्तर पर हितग्राहियों को तुरंत भूमि संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने, विभिन्न संगठन, एजेंसी के साथ जानकारी साझा कर भूमि संबंधित योजनाओं में विविधता, आकस्मिक स्थितियों में राजस्व रिकार्डस को डिजिटल रूप में सुरक्षित रहने तथा वर्तमान व्यवस्था के पश्चात भूमि संबंधित दस्तावेज प्राप्त करना बेहद ही आसान होगा। इसके अलावा किसी भी जमीन का खसरा नंबर मात्र से ही उससे जुड़े 70 साल से भी अधिक पुराने अभिलेख एक क्लिक पर आवेदक को उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा।

आवारा मवेशियों के नियंत्रण सहित ध्वनि प्रदूषण रोकने करें प्रभावी पहलःकमिश्नर सिंह

जगदलपुर। बस्तर संभाग के अंतर्गत सड़कों में आवारा मवेशियों के नियंत्रण के लिए तैयार कार्ययोजना के अनुसार गौशाला एवं कांजी हाऊस में रखे जाने के साथ ही समुचित कार्यवाही सम्बन्धित विभागों के द्वारा समन्वित रूप से सुनिश्चित किया जाए। वहीं ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु डीजे लगे वाहनों की जप्ती सहित राजसात की कार्यवाही किया जाए। उक्त निर्देश कमिश्नर बस्तर श्री डोमनसिंह ने मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुरूप विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के कार्यान्वयन प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिए। कमिश्नर ने आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाने के लिए चिन्हित स्थलों,पशुओं की टैंगिंग,रेडियम पट्टी लगाने सहित गौशाला एवं कांजी हाऊस संचालन की जानकारी ली और गौशाला एवं कांजी हाउस में पर्याप्त जगह,चारे एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता के अनुसार आवारा मवेशियों को रखे जाने हेतु गौशाला एवं कांजी हाउस का विस्तार भी किये जाने कहा। उन्होंने नक्सली पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु शासन की नीति के तहत कार्यवाही कर प्रभावितों को सहायता प्रदान करने सहित शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किये जाने संवेदनशीलता के साथ पहल करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंदियों के लिए अतिरिक्त बैरक निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं भानुप्रतापपुर में निर्मित उप जेल को प्रारंभ करने सहित कोण्डागांव में जिला जेल निर्माण हेतु चिन्हित भूमि के हस्तांतरण की कार्यवाही का संज्ञान लेकर आवश्यक पहल किये जाने कहा। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सॉलिड एवं लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए ध्यान केंद्रित करने पर बल देते हुए इस दिशा में जनजागरूकता निर्मित करने की आवश्यकता बतायी। कमिश्नर डोमन सिंह ने बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों के रोकथाम एवं उपचार हेतु सजगता के साथ दायित्व निर्वहन करने निर्देशित किया कि जिला अस्पताल,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित उप स्वास्थ्य केन्द्रों में मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी स्तरों पर जीवनरक्षक दवाइयों की उपलब्धता को ध्यान रखकर मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों सहित अंदरूनी ईलाके के आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों के पास भी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

ग्राम बागोडार के जनसमस्या निवारण शिविर में मिले 129 आवेदन

कांकेर । राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन जिले के विभिन्न गांव में निर्धारित कलस्टर में किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कांकेर विकासखण्ड के ग्राम बागोडार में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर सहित जनप्रतिनिधिगण भी सम्मिलित हुए। उक्त शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए गए स्टाल में ग्रामीणों से मांगों एवं समस्याओं को लेकर कुल 129 आवेदन प्राप्त हुए, जिसका मौके पर यथासंभव निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों का समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

ग्राम बागोडार में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में कलेक्टर क्षीरसागर ने कहा कि शिविर में ग्रामीणजन अधिक से अधिक संख्या में आकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने शिविर में सभी ग्रामवासियों से शासकीय योजनाओं का अवश्य लाभ उठाने की अपील की। कलेक्टर ने वन अधिकार पत्र के संबंध में नवीन हस्तांतरण नीति पर राज्य शासन द्वारा जारी निर्देश के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल में 43 ग्रामीणों एवं आयुष विभाग के स्टाल में 54 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों के हाथों समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ग्राम बागोडार निवासी वृद्धजन देवकरण मंडावी को छड़ी, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड में त्रुटि सुधार पश्चात यशोदा जैन एवं पीला बाई को राशन कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा सविता पडोटी, निहारिका मंडावी, उमाशंकर जैन, अगेश कुमार शोरी और सराधु करियाम को आय प्रमाण पत्र एवं महंगू पडोटी और अगेश कुमार शोरी को निवास प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरडोंगरी के कक्षा 11वीं की छात्रा कु. अंजू तारम को राज्य स्तरीय शालेय कला उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष रामचरण कोर्राम, मत्स्य बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भरत मटियारा, जनपद सदस्य नूतन जैन एवं जिला पंचायत के सीईओ सुमित अग्रवाल, एसडीएम अशोक मारबल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन दल ने जिला चिकित्सालय सूरजपुर का किया मूल्यांकन

सूरजपुर। विगत दिवस जिला चिकित्सालय सूरजपुर में NQAS/LaQshya/MusQan के राष्ट्रीय मूल्यांकन हेतु भारत सरकार के द्वारा नामांकित राष्ट्रीय मूल्यांकन दल की तीन सदस्यीय टीम डॉ राजसेल्वम, डॉ अंजू गोप प्रधान, डॉ वैभव राव पाटिल के द्वारा तीन दिवस तक 15 विभागों का मूल्यांकन किया गया। गौरतलब है कि NQAS certified संस्थाओं को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस दौरान राज्य से नामांकित अधिकारी एवं जिला चिकित्सालय के समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

परम्परागत कृषि विकास योजना अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के तत्वाधान में परम्परागत कृषि विकास योजना वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गीदम ब्लॉक के स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने और जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में चारों विकासखंड के 1 हजार से ज्यादा किसानों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला में भारत के जाने-माने जैविक खेती विशेषज्ञ महाराष्ट्र के यवतमाल जिले से आये श्री सुभाष शर्मा के द्वारा जैविक खेती करने वाले किसानों को खेती के लाभ, भूमि की उर्वरक क्षमता में वृद्धि, उससे संबंधित प्रचलित धारणाओं, उनका समाधान, जल संरक्षण के तहत किये जाने वाले सामुदायिक प्रयास, के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया। तत्पश्चात ''नाम फाउंडेशन पुणे'' के प्रतिनिधि श्री गणेश थोरात ने भी किसानों को अपनी खेती में जल और मिट्टी के संरक्षण, और जैविक विधि से फसल उत्पादकता में वृद्धि के संबंध में जानकारी दी। इसके अलावा मिलेट फसलों जैसे कोदो-कुटकी एवं रागी फसल उत्पादन के संबंध में लघु धान्य विशेषज्ञ श्री जैकप के द्वारा किसानों से महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई।

नक्सल मोर्चे में तैनात बस्तर फाइटर के एक जवान की मलेरिया से हुई मौत

कांकेर। जिले में नक्सल मोर्चे में तैनात बस्तर फाइटर के एक जवान उत्तम मंडावी उम्र 24 वर्ष निवासी भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम कराठी की मलेरिया से मौत हो गई। मृतक जवान उत्तम मंडावी कोड़ेकुर्से में कांकेर-नारायणपुर सीमा इलाके में पदस्थ था। जहां उसकी तबियत खाराब होने से उपचार के लिए जवान उत्तम मंडावी को कांकेर जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में 19 जुलाई को भर्ती किया गया। इलाज के दौरान जवान मलेरिया और पीलिया संक्रमित मिला, जवान की स्थिति नाजुक थी। उसे बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा रायपुर रेफर किया गया। गंभीर स्थिति के देखाते हुए मेकाहारा से बालाजी अस्पताल रायपुर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कांकेर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि आरक्षक उत्तम मंडावी के कई अंग काम नहीं कर रहे थे। जिसे रायपुर रिफर किया गया था। जवान पीलिया से भी संक्रमित था। पीलिया कब से था, यह जानकारी परिजनों से जुटाई जा रही है।

सड़क किनारे आंवराभाटा चौक के पास एक अज्ञात बुजुर्ग का मिला शव

कोंड़ागांव। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र अंतर्गत आंवराभाटा चौक के पास आज शुक्रवार सुबह एक बुजुर्ग का शव देखा गया। शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया मामला अज्ञात वाहन के द्वारा पैदल जा रहे अज्ञात बुजुर्ग को ठोकर मारने से उसकी दुघर्टना मौत होना प्रतीत हो रहा है, मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस मामले की जांच की जा रही है। शव को पीएम के लिए अस्पताल ले जाया गया है। केशकाल थाना प्रभारी नरेश साहू ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि सड़क किनारे एक बुजुर्ग का शव देखा गया है, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है, उन्होने बताया कि संभवत- पैदल जा रहे मृतक बुजुर्ग को पीछे से अज्ञात वाहन ने ठोकर मारकर फरार हो गया। जिससे अज्ञात बुजुर्ग की मौत की संभावना है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

भारी बारिश के बीच ट्रैक पर गिरा पेड़,पैसेंजर ट्रेन क्षतिग्रस्त

कांकेर/बालोद। बालोद जिले के दल्लीराजहरा से अंतागढ़ की तरफ जा रही पैसेंजर ट्रेन बरगद पेड़ के ट्रैक पर गिर जाने से टकरा गई है। इस घटना में ट्रेन चालक को चोट आई है और ट्रेन पटरी से उतर गई है। घटना की जानकारी के बाद रेलवे विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर ट्रेन को वापस पटरी पर लाने के लिए रेस्क्यू में जुटी हुई है।मुल्ले कैंप के समीप हुई यह घटना। बताया जा रहा है कि डेमो पैसेंजर ट्रेन का खाली रैक दल्लीराजहरा से भानुप्रतापपुर जा रही थी, जोकि सुबह करीबन 6 बजे बालोद होते हुए रायपुर जाने वाली थी। लेकिन ट्रेन भानुप्रतापपुर पहुंचने से पहले मुल्ले कैंप के पास रेलवे ट्रैक पर गिरे बरगद पेड़ से टकरा गई। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के चलते बरगद का पेड़ रेलवे ट्रैक की तरफ गिर गया था। वहीं अंधेरा होने की वजह से ट्रेन का इंजन पेड़ से टकरा गया और ट्रेन के पायलट को हल्की चोट आई है तथा ट्रेन का इंजन का एक चक्का पटरी से उतर जाने की वजह से आज भानुप्रतापपुर से दुर्ग-रायपुर की जाने वाली ट्रेन रद्द हो गई है। वही घटना से ट्रेन का सामने का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है, जिससे आम लोगो को आज काफी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

शिक्षा सप्ताह के पांचवे दिन कौशल व डिजिटल पहल दिवस मनाया

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाये जा रहे शिक्षा सप्ताह के पांचवें दिवस पर आज जिले के सभी विद्यालयों में कौशल एवं डिजिटल पहल दिवस का आयोजन किया गया। डिजिटल शिक्षा में मल्टीमीडिया तत्व शामिल होते हैं, जिससे सीखना अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव हो जाता है। वीडियो और एनिमेशन छात्रों को जटिल अवधारणाओं को आसानी से समझने में मदद कर सकते हैं। जिस कारण उसे बेहतर तरीके से याद रखने में मदद मिलती है।

वहीं शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में शिक्षक योगेश साहू द्वारा बच्चों को इंटरनेट, दीक्षा एप का उपयोग, गूगल मैप देखना, गूगल से जानकारी सर्च करना, गूगल लेंस से अंग्रेजी विषय के पाठ या कठिन शब्दों का हिंदी रूपांतरण कर सीखने में सरल बनाया जा सकता है। बच्चों को कंप्यूटर के बारे में जानकारी दी गई साथ ही फोटो बनाना एवं फोटो प्रिंट कर के दिखाया गया। कंप्यूटर, टेबलेट एवं अन्य डिजिटल सामग्रियों के कौशल विकास के बारे में बताया गया। आज के युग में अब यह कहना अनुचित नहीं होगा कि डिजिटल शिक्षा छात्रों को जानकारी के भंडार तक पहुंच प्रदान करती है। कार्यक्रम को अन्य शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि शिक्षा अब केवल पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है। यह तकनीक, नवीन शिक्षण और डिजिटल सामग्री का एक संयोजन बन गई है। इंटरनेट कहीं अधिक किफायती और सुलभ हो गया है और इससे डिजिटल और पारंपरिक शिक्षण विधियों का अधिक संगम होगा।

कार्यक्रम में प्रधान पाठक बीआर हितकर, संकुल समन्वयक जीडी सिंह, शिक्षक महेंद्र पटेल, अनिता सिंह, कृष्ण कुमार यादव, योगेश साहू, रघुनाथ जयसवाल, सरिता सिंह एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शासकीय स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय में होगा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब का गठन

नारायणपुर। शासकीय स्वामी आत्मानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुम्हारपारा नारायणपुर में नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया क्लब का गठन प्राचार्य डॉ. एस.आर.कुंजाम के संरक्षण में किया जाएगा। इस डिजिटल लाइब्रेरी क्लब के बारे में बताते हुए प्राचार्य ने कहा कि यह पोर्टल आईआईटी खड़गपुर और शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू टेक्नोलॉजी एनहांसमेंट लर्निंग को ध्यान में रखते हुए टेक्नोलॉजी के माध्यम से पुस्तके और अन्य अध्ययन सामग्री प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया है। इस डिजिटल लाइब्रेरी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए महाविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष और एन.डी.एल.आई. क्लब के अध्यक्ष श्री संजय कुमार पटेल ने बताया कि इस डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से प्राइमरी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक कि पुस्तकें प्राप्त की जा सकती है। इस डिजिटल लाइब्रेरी में आर्ट्स, हयूमैनिटिज़, सोशल साइंसेज, एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी, लॉ, लाइफ साइंसेज, लैंग्वेजेज (हिंदी, इंग्लिश) इतिहास इत्यादि की पुस्तकें डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त की जा सकती है। इस डिजिटल लाइब्रेरी में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, अनुसंधान, कैरियर डेवलपमेंट्स, सांस्कृतिक एवं न्यूज़पेपर के आर्काइव भी प्राप्त किये जा सकते है।

इस क्लब के सचिव डॉ. सुमित श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक रसायनशास्त्र ने बताया कि इस डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से छात्र छात्राएं डिजिटल अध्ययन संसाधनों को कही से भी 24 घण्टे प्राप्त कर सकते है। इसमें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे, बैंकिंग इत्यादि के पुराने प्रश्न पत्र भी देखे जा सकते है साथ ही गेट, मेडिकल इंजिनीरिंग इत्यादि प्रवेश परीक्षाओं के पेपर भी प्राप्त कर सकते है।

इस क्लब के कार्यकारिणी सदस्त श्री संदीप कुमार पटेल, सहायक प्राध्यापक कंप्यूटर साइंस ने बताया कि प्रौद्योगिकी का प्रयोग आज लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए यह बहुत ही आवश्यक है कि वे इस तरह के लर्निंग प्लेटफॉर्म से जुड़े और डिजिटल पुस्तको का प्रयोग अपने अध्ययन हेतु अवश्य करे। उन्होंने यह भी बताया के देश का कोई भी नागरिक व्यतिगत रूप से भी नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया का सदस्य बन सकता है चाहे वह किसी भी ऐज ग्रुप का हो।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत ब्लूम्बर्ग परियोजना के माध्यम से तंबाकू नियंत्रण हेतु 02 अगस्त को दिया जाएगा एक दिवसीय प्रशिक्षण

नारायणपुर। तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के उपयोग एवं उपभोग को हतोत्साहित करने एवं कोटपा एक्ट 2003 के प्रभावी अनुपालन हेतु जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिले में तम्बाकू नियंत्रण की नीतियों के प्रभावी अनुपालन हेतु राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत ब्लूमबर्ग परियोजना छत्तीसगढ़ के माध्यम से 02 अगस्त 2024 को प्रातः 11 बजे से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उक्त प्रशिक्षण में विभिन्न विभागो से तम्बाकू नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सहित कुल 03 प्रतिभागीयों को निर्धारित समयावधि में उपस्थित होने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. टी.आर. कुंवर द्वारा निर्देशित किया गया है।

पीएम एकलव्य विद्यालय शिवप्रसादनगर में हुई स्वास्थ्य शिविर

सूरजपुर। सहायक आयुक्त/सदस्य सचिव के. विश्वनाथ रेड्डी के मार्गदर्शन में पीएम श्री योजना अंतर्गत 25 जुलाई को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम द्वारा पीएम एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में आयोजित किया गया। जिसमें पीएम श्री विद्यालय के अध्ययनरत समस्त छात्रों एवं पालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, दंत जांच, सिकल सेल, नेत्र जांच, जैसे परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत पीड़ित छात्रों को आवश्यकता अनुसार दवाइयां वितरित की गई उक्त कार्यक्रम में पालक समिति के सदस्य सहित अन्य पालक गण उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन परंपरानुसार प्राचार्य रोहित कुमार चौहान एवं अन्य आगंतुक अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर धूप दीप तथा फुल माला अर्पित कर किया गया तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य टीम डॉक्टर एस के नायक आयुष अधिकारी, डॉ साधना शांडिल्य दंत चिकित्सा, डॉ अमित चौरसिया नेत्र सहायक, फूल कंवर नर्सिंग ऑफिसर पुर्णा राजवाड़े लैब टेक्नीशियन एवं अविनाश साहू, शिव शंकर, अनिल मांडवी, पूजा दास की टीम द्वारा स्वास्थ्य संबंधित परिचर्चा की गई जिसमें छात्रों को स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के सर्वेक्षण, रेस्क्यू व पुनर्वास अभियान

सूरजपुर। सड़क व सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं प्रभावी पुनर्वास हेतु छ0ग0 शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना ''बाल सक्षम'' जारी की गयी है। जिसमें कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिले में सड़क व सड़क जैसी परिस्थितियों में निवासरत बच्चों एवं मादक पदार्थो का सेवन करने वाले बच्चों की पहचान हेतु सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं पुनर्वास के लिए विशेष सघन अभियान 15 जुलाई से 14 अगस्त तक कार्ययोजनानुसार संचालित किया जा रहा है।

बाल सक्षम नीति अनुसार सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बालकों की श्रेणी में ऐसे बच्चे आते हैं जो सड़क जैसी परिस्थितियों में, बिना किसी सहयोग के, अकेले रहता है, सड़क जैसी परिस्थितियों में अपने परिवार के साथ रहता है। और दिन में सड़क जैसी परिस्थितियों में और रात को अपने परिवार, जो पास की झुग्गी/झोपड़ियों में रहते है, के साथ घर में रहता है।

ऐसे बच्चे अपनी उत्तजीविता, भोजन, पानी, वस्त्र, आश्रय एवं संरक्षण हेतु प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के संघर्षों एवं चुनौतियों का सामना करते है। इन बच्चों के चिन्हांकन, संरक्षण प्रदान किये जाने तथा उनको शिक्षा एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने। साथ ही उनके परिवारों को भी शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाते हुए उनके प्रशिक्षण एवं रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

इन बच्चों के चिन्हांकन, संरक्षण एवं पुनर्वास हेतु राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी एसओपी एवं एक युद्ध नशे के विरुद्ध (ज्वाइंट एक्शन प्लान) अनुसार चरणबद्ध रूप से कार्यवाही की जा रही है। जिसमें बालकों का चिन्हांकन, बालकों की सामाजिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त करना, बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण इत्यादि शामिल है।

जिलें में सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं पुनर्वास हेतु सभी विकासखण्ड मुख्यालय, नगरपालिका/नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार क्षेत्र, बस स्टैण्ड, शहर के चौक चौराहे, हाई मुख्य सड़क मार्ग क्षेत्र, रेल्वे स्टेशन एवं अन्य स्थानों पर बाल सक्षम नीति के तहत हॉट स्पॉट चिन्हॉकित किया गया है। इन हॉट स्पॉट में गठित दल द्वारा जाकर सर्वेक्षण, रेस्क्यू का कार्य किया जा रहा है। जिसमें जिले के रामानुजनगर मुख्यालय के चौक चौराहों, बाजारों में सर्वेक्षण का कार्य किया गया। इसी तरह तैयार विभागीय रोस्टर अनुसार जिले के अन्य स्थानों, बाजारों में भी सर्वेक्षण, रेस्क्यू का कार्य किया जावेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जन समुदाय से अपील की गयी है कि सड़क जैसी परिस्थिति में रहने वाले बालकों की जानकारी विभाग को देवे ताकि उस बच्चें का भविष्य सवांरा जा सके।

देवरीडीह जलाशय का एक छोर फूटा, खेतों में पानी का सैलाब, फसल खराब होने की आशंका

बलौदाबाजार। प्रदेश सहित जिले में हो रही लगातार बारिश ने अब तांडव मचाना शुरू कर दिया है, नदी नाले ऊफान पर है।

वहीं इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। सिमगा विकासखंड के ग्राम दरचुरा के पास देवरीडीह जलाशय में अत्यधिक दबाव से जलाशय का एक छोर फूट गया। इससे पानी खेतों में बहने लग गया। जलाशय फूटने से लगभग सात गांव प्रभावित होने का समाचार है। सैकड़ों एकड़ में लगी फसल खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

वहीं जलाशय फूटने की सूचना पर प्रशासन व पुलिस दोनों मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा है। फिलहाल कोई जनहानि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि यह जलाशय पचास एकड़ में बना हुआ है और इससे आसपास के गांव में सिंचाई होती है साथ ही यहां से पानी भाटापारा केनाल में जाता है। घटना के बाद मौके पर तहसीलदार नीलमणि दुबे, सिमगा थाना प्रभारी योगिता खापर्डे सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

हाथी ने घर पर किया हमला, एक की मौत, दूसरे ने भागकर बचाई जान

बलरामपुर। जिले में हाथियों का आतंक जारी है. रामचंद्रपुर वन परिक्षेत्र के अनिरूद्धपुर गांव में हाथी ने उत्पात मचाया. इस दौरान हाथी ने घर के अंदर घुसकर दो लोगों पर हमला कर दिया. इस घटना में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा. वहीं हाथियों ने घर को भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है. बता दें कि बलरामपुर जिले में हाथियों का आतंक जारी है. एक सप्ताह में हाथियों के हमले से यह दूसरी मौत है. हाथियों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है.

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 24.07.2023

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा डी श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 12.08.2024 है।

एन.आई.टी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT No. 297 Tender No. 156536	धमतरी अनुविभाग के अन्तर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं मरम्मत का कार्य।	रू. 95.00 लाख
NIT No. 298 Tender No. 156537	धमतरी अनुविभाग के अन्तर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं मरम्मत का कार्य।	रू. 130.00 लाख
NIT No. 299 Tender No. 156538	गरियाबंद अनुविभाग क्रमांक 01 के अन्तर्गत उपखण्ड क्रमांक 01 के गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत का कार्य।	रू. 40.00 लाख
NIT No. 300 Tender No. 156539	गरियाबंद अनुविभाग क्रमांक 01 के अन्तर्गत उपखण्ड क्रमांक 01 के आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत का कार्य।	रू. 25.00 लाख
NIT No. 301 Tender No. 156540	गरियाबंद अनुविभाग क्रमांक 01 के अन्तर्गत उपखण्ड क्रमांक 02 के गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत का कार्य।	रू. 40.00 लाख
NIT No. 302 Tender No. 156541	गरियाबंद अनुविभाग क्रमांक 01 के अन्तर्गत उपखण्ड क्रमांक 02 के आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं साधारण मरम्मत का कार्य।	रू. 25.00 लाख
NIT No. 303 Tender No. 156542	नगरी अनुविभाग के अन्तर्गत गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य।	रू. 50.00 लाख
NIT No. 304 Tender No. 156543	नगरी अनुविभाग के अन्तर्गत आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य।	रू. 50.00 लाख
NIT No. 305 Tender No. 156544	जिला महासमुन्द के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य।	रू. 50.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेवपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

विश्वसनीय छत्तीसगढ़
जी- 242501341/2

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्र. 2 (छग)

आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

शक्ति प्रदर्शन से होती है जनता को परेशानी...

संपादकीय

राजनीतिक दल चुनाव हार जाते हैं तो जनता उनको सत्ता न सौंपकर किसी एक दल को सत्ता सौंप देती है तो कायदे से जनता ने उनको विपक्ष का काम करने को कहा तो वही करना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि जिसे जनता सत्ता के लायक नहीं समझती है, वह सरकार से खुद को हर तरह से लायक साबित करने जुट जाता है। उसके लिए सबसे आसान होता है कि सरकार को हर क्षेत्र में फेल बताना ।रोज बयान जारी करना होता है, सरकार इस क्षेत्र में फेल है, सरकार उस क्षेत्र में फेल है। इसके लिए वह कोई रचनात्मक काम नहीं करता है। ऐसा काम भी नहीं करता है जो जनता को अच्छा लगे। इसके लिए वह रोज बयान जारी करने के साथ ही हर तीन चार माह में शक्तिप्रदर्शन करता है। यह जानते हुए भी शक्ति प्रदर्शन करता है कि उससे न तो राज्य को फायदा होना है और न ही जनता को कोई फायदा होना है ।शक्ति प्रदर्शन से जनता को कई दिन तक परेशानी होती है। अगर राज्य में विधानसभा सत्र चल रहा हो तो विपक्ष की कोशिश तो यही होती है कि विधानसभा घेराव कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया जाए। ऐसा नहीं है कि विपक्ष के शक्ति प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरना जरूरी है। विधानसभा सत्र चल रहा है तो हर मुद्दे पर विपक्ष अपनी शक्ति का प्रदर्शन विधानसभा में कर सकता है। विधानसभा में शक्ति प्रदर्शन में वह मजा कहां होता है, जो सड़क पर हजारों लोगों की भीड़ के बीच होता है। ज्यादा भीड़ होती है तो नेताओं को लगता है कि वह वाकई बड़े नेता हैं। पुलिस के साथ घत्ता मुक्की,जोर आजमाइश होने पर ही ऐसा लगता है कि पार्टी के लोगों ने जनता के लिए संघर्ष किया है ।जो नेता घायल हो जातै है, उनकी तस्वीरें दूसरे दिन छपती है. यह सबूत होती है कि फलाने नेता ने जनता के लिए अपना खून बहाया था। पार्टी के लिए कितना बड़ा काम किया था। घायल नेताओं की तस्वीर उनके लिए मेडल की तरह होती है। कोई राजनीतिक दल विधानसभा घेराव करने की घोषणा करता है तो उसके साथ ही पुलिस की तैयारी भी शुरू हो जाती है। राजनीतिक दल जितना बडा होता है, उसके कार्यक्रम में उतनी ही ज्यादा भीड़ जुटती है, इसलिए पुलिस को दल को देखकर अपनी तैयारी करनी पड़ती है। बड़ा राजनीतिक दल है सड़क को एक दो दिन पहले बंद कर दिया जाता है ।इससे हजारों लोगों को परेशानी होती है तो होती रहे। विधानसभा घेराव करने वालो को कोई खास फर्क नहीं पड़ता है.। ज्यादा हुआ तो घेराव करने वाले दल का कोई बड़ा नेता यह बयान दे देगा कि हम नहीं चाहते हैं कि हमारे कार्यक्रम से जनता को परेशानी हो। सरकार ने तो हमे मजबूर कर दिया है घेराव करने के लिए। यानी घेराव कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों को हुई परेशानी के लिए राजनीतिक दल नहीं सरकार जिम्मेदार है। धरना प्रदर्शन करने वाले,आदोंलन करने वाले सभी राजनीतिक दल जानते है, सभी संगठन भी जानते हैं कि इससे जनता को बहुत परेशानी होती है। लेकिन वह ऐसा कोई रास्ता नहीं निकालते हैं जिससे वह धरना प्रदर्शन भी करे और जनता को कोई परेशानी न हो ।कांग्रेस ने २४ जुलाई को विधानसभा को घेराव किया तो शहर की एक सड़क को बंद किया गया। इससे १४ वार्डों की सड़कों व गलियों में जाम लगा रहा। लोग अपने घरों से नहीं निकल सके। ठेला खोमचेवालों को एक दो दिन कमाई नहीं हुई ।घेराव को लेकर कांग्रेस नेता का बयान पेपर में पढ़ने को मिला कि लोगों के लिए न्याय मांगने और सरकार को नींद से जगाने के लिए कांग्रेस को विधानसभा का घेराव करना पड़ा ।यह बयान पढ़कर जाम से परेशान लोगों ने जरूर यह कहा होगा। हमारे लिए न्याय इस तरह मत मांगो कि हमें परेशानी हो। हमारे लिए न्याय मांगना है तो इस तरह मांगो कि हमें कोई परेशानी न हो ।यह किसी एक राजनीतिक दल की बात नहीं है, सभी राजनीतिक दल विपक्ष में रहने पर यही करते हैं। पता नहीं राजनीतिक दलों को कब यह बात समझ में आएगी कि जनता को परेशान कर जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

कांग्रेस और खालिस्तान में गर्भनाल का रिश्ता!

राकेश सैन

देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया। माँ और सन्तान के बीच गभर्नाल का रिश्ता ही ऐसा होता है, कि प्रसव के बाद शरीर अलग होने के बावजूद भी आत्मीयता बनी रहती है। सन्तान को पीड़ा हो तो माँ बिलख उठती है। ऐसा ही गत 25 जुलाई को संसद भवन में देखने को मिला जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालन्धर से कांग्रेस के सांसद चरनजीत सिंह चन्नी ने खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के पक्ष में आह भरी। चन्नी के शब्दों में 20 लाख लोगों के खडूर साहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि अमृतपाल को जेल में रखा जा रहा है, यह भी एमरजेंसी है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में डिब्रूगढ़ जेल में नजरबन्द खालिस्तान प्रचारक व अजनाला कोतवाली हिंसा का मुख्य आरोपी अमृतपाल निदर्लीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता है और कांग्रेस सांसद चन्नी लोकसभा में उसके ही पक्ष में बोल रहे थे। रोचक बात तो ये है कि अमृतपाल को जेल में भेजने वाली पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के सांसद भी सुन्न अवस्था में चन्नी के साथ वाली सीटों पर ही बैठे थे।

वैसे चन्नी के बौद्धिक व प्रशासनिक योग्यता के स्तर का इसी बात से अनुमान लगाया जा सकता है कि फरवरी, 2018 में कैप्टन अमरिन्द्र सिंह की सरकार के तकनीकी शिक्षा मन्त्री रहते हुए उन्होंने प्राध्यापकों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि क्रिकेट की तरह टॉस करके की थी। उस समय देश-दुनिया में इस घटना को बड़े हास्यस्पद अन्दाज में कहा और सुना गया था। बाद में मुख्यमन्त्री बनने के बाद चन्नी प्रधानमन्त्री की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं कर पाए और बठिण्डा से फिरोजपुर जाते हुए कथित किसान आन्दोलनकारियों ने प्रधानमन्त्री के काफिले को घेर लिया था। इस पर चन्नी ने सुरक्षा की सारी जिम्मेवारी केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों पर डालने का प्रयास किया। केवल इतना ही नहीं, लोकसभा चुनावों के समय जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों को चन्नी ने भाजपा की रणनीति बताया था।

अब चन्नी द्वारा किसी खालिस्तानी का समर्थन करना चाहे किसी को चौंकाता हो परन्तु 1980 के दशक की राजनीतिक कलाबाजियां देख चुकी पीढ़ी अच्छी तरह जानती है कि चन्नी का अमृतपाल के प्रति दुःख अनायास नहीं बल्कि यह कांग्रेस और खालिस्तान के बीच गभर्नाल के रिश्ते की टीस है ।देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया। रिसर्च एण्ड एनालाइसेज विंग (रॉ) के सेवानिवृत अधिकारी जी.बी.एस. सिद्धू अपनी पुस्तक खालिस्तान षड्यन्त्र की इनसाइड स्टोरी में दावा करते हैं कि जब भी भिण्डरांवाले से कोई संवाददाता खालिस्तान की मांग के बारे पूछते तो उसका यही जवाब होता था कि- हम खालिस्तान की मांग नहीं करते पर सरकार इसका प्रस्ताव करती है तो हम इन्कार भी नहीं करेंगे। चूंकि पंजाब के नर्म दलीय अकाली नेताओं को कमजोर करने के लिए गर्मदलीय लोगों के साथ खालिस्तान का लेबल चस्पा करना जरूरी था, तो 13 अप्रैल, 1978 में हुए निरंकारी-सिख टकराव की घटना के बाद ऐसी शक्ति का खड़ा करना जरूरी हो गया जो खुल कर खालिस्तान की बात करे। चूंकि भिण्डरांवाला न तो खालिस्तान की मांग करने वाला था और न ही विरोध, तो उसके साथ इस बिखराव की मांग को आसानी से जोड़ा जा सकता था। उस समय कांग्रेस नेताओं ने यह काम बड़ी बाखूबी किया।

उस समय भारत में काम कर रहे बीबीसी लन्दन के पत्रकार मार्क टुल्ली व सतीश जैकब की पुस्तक अमृतसर-मिसेज गान्धी लास्ट बैटल के पृष्ठ 60 पर दावा करते हैं कि इस काम के लिए पंजाब में दल खालसा के नाम से कट्टरवादी संगठन का गठन किया गया। इसकी पहली बैठक चण्डीगढ़ के अरोमा होटल में हुई जिसका 600 रुपये का भुगतान ज्ञानी जैल सिंह द्वारा किया गया। पत्रकार कुलदीप नैयर की पुस्तक बियाण्ड द लाइन्स -एन ऑटोबायोग्राफी के अनुसार, इस संगठन के उद्घाटन समारोह में सिख पन्थ की अवधारणा और उसके स्वतन्त्र अस्तित्व को जीवित रखने का संकल्प लिया गया। संगठन का राजनीतिक उद्देश्य खालसा का बोलबाला बताया गया। एक अन्य पत्रकार जीएस चावला अपनी पुस्तक ब्लडशेड इन पंजाब- अनटोल्ड सागा ऑफ डिसीट एण्ड सैबोटेज में लिखते हैं कि-दल खालसा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पहले चण्डीगढ़ में एक पूर्व कांग्रेसी सांसद के यहां स्टेनोग्राफर की नौकरी की थी। 6 अगस्त, 1978 को चण्डीगढ़ के सेक्टर 35 में स्थित गुरुद्वारा श्री अकालगढ़ में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में यह घोषणा की गई कि दल खालसा की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्वतन्त्र सिख साम्राज्य की स्थापना सुनिश्चित करना है। अगले दिन पंजाब के कई समाचारपत्रों में यह खबर छपी, प्रेस कान्फ्रेंस का खर्चा भी पंजाब के कांग्रेसी नेताओं ने उठाया। देश के सुविख्यात विचारक कुप्पहल्ली सीतारामैया सुदर्शन अपनी पुस्तक यों भटका पंजाब में लिखते हैं कि-कांग्रेस की आपसी गुटबाजी ने भी पंजाब समस्या को उग्र बनाने में बहुत मदद दी है। केवल दलीय दृष्टिकोण से ही समस्याओं को देखने का उसका स्वभाव रहा है, इसलिए सत्ताहीन अवस्था में अकाली दल को शह देने के लिए उसने भिण्डरावाले को उभारा। कांग्रेस की आपसी धड़ेबन्दी ने भिण्डरावाले की उग्रता के विरुद्ध समय रहते कड़े कदम उठाने नहीं दिये और जब भिण्डरावाले ने भस्मासुर का रूप लेकर अपने वरदाता को ही भस्म करने के लिए हाथ बढ़ाया तब कांग्रेसी शासन को ऐसी कायर्वाही के लिए बाध्य होना पड़ा जिसने समाज में अविश्वास की खाई को और चौड़ा कर दिया तथा उग्रपन्थियों को खुलकर खेलने का मौका दे दिया। देश से जुड़े विभिन्न मुद्दों से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से लेकर काडर तक किस तरह दिशाभ्रम के शिकार हैं इसका अनुमान इसीसे लगाया जा सकता है कि पार्टी एक तरफ तो श्रीमती इन्दिरा गान्धी, श्री राजीव गान्धी व स. बेअन्त सिंह को आतंकियों के हाथों मिली शहादत की विरासत अपना बताती है तो दूसरी ओर अमृतपाल जैसों के दुःख में पतली होती रही है। और अधिक विस्मयकारी बात तो यह है कि चन्नी को वहां बैठे किसी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने ऐसा करने से रोका तक नहीं और न ही बाद में खेद जताया गया। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पंजाब में खालिस्तानी अलगाववाद व आतंकवाद की आग दबी जरूर है परन्तु पूरी तरह बुझी नहीं। इसका साक्षात उदाहरण है कि कनाडा, यूके, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे कई देशों में खालिस्तानियों की खुराफात दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही हैं। इन देशों में हिन्दू समाज, मन्दिरों व संस्थानों पर हमले, सोशल मीडिया पर विषैला प्रचार निरन्तर जारी है। ऐसे में खालिस्तानी आतंकवाद को देश की संसद में समर्थन मिलता है तो यह गलती भिण्डरांवाले के पुनर्जीवन सरीखी होगी।

प्रभात झा पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोच के पुरोधा-पुरुष

ललित गर्ग

पत्रकारिता के एक महान् पुरोधा पुरुष, मजबूत कलम एवं निर्भीक वैचारिक क्रांति के सूत्रधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, भाजपा के नेता और भाजपा मुखपत्र ह्यकमलह्न के मुख्य सम्पादक प्रभात झा अब हमारे बीच नहीं रहे। वे 67 वर्ष की उम्र में 26 जुलाई, 2024 को प्रातः 5 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में जिन्दगी एवं मौत के बीच जूझते हुए हार गये, आखिर मौत जीत गयी। एक संभावनाओं भरा हिन्दी पत्रकारिता, स्वच्छ राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल पत्रकारिता के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। प्रभात झा का जीवन सफर आदर्शों एवं मूल्यों की पत्रकारिता की ऊंची मीनार है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है।

प्रभात झा पत्रकार, लेखक स्तंभकार रहे हैं, वही उनका राजनीति जीवन भी प्रेरक रहा हैं। वे मध्य प्रदेश राज्य से राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे 2010 से दिसंबर 2012 तक मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। यही वो दौर रहा जिसमें मध्यप्रदेश में भाजपा की जमीन गहरी हुई। वतर्मान में वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। झा का जन्म 4 जून 1957 को हरिहरपुर, दरभंगा जिला, बिहार में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा ग्वालियर, मध्य प्रदेश से की। यहां के पीजीवी कॉलेज से उन्होंने बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली। उनके करीबियों का कहना है कि वह शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से खास जुड़ाव रखते थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पत्रकारिता से की। स्वदेश अखबार में भी लंबे समय तक जुड़े रहे। झा की शादी रंजना झा से हुई है और उनके दो बेटे तुष्मुल और आयत्न हैं। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे प्रभात झा से मिलने के अनेक अवसर मिले, 85 नार्थ एवेन्यू में सुखी परिवार फाउण्डेशन के अस्थायी कार्यालय से सटा हुआ उनका आवास था। सुखी परिवार अभियान के प्रणेता आदिवासी संत गणि राजेन्द्रविजयजी के पास वे अक्सर आ जाते एवं उनसे लम्बी राष्ट्र-विकास एवं समाज-निर्माण की चर्चाएं होती रहती थी। राजधानी के कंस्टीट्यूशनल क्लब में सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा आयोजित ह्यदिव्य भारत के निर्माता मोदीह्न विषयक डॉ. अविनाश काटे द्वारा कैनवास पर ऐक्रेलिक रंगा से हस्तनिर्मित 75 भावचित्रों की प्रदर्शन एवं पुस्तक का उद्घाटन उन्होंने किया। इस कार्यक्रम का संयोजन मुझे करने का मौका मिला। वे सुखी परिवार फाउण्डेशन के कार्यक्रमों से अत्यंत प्रभावित थे और इसको आगे बढ़ाने एवं आदिवासी कल्याण के लिये सुझाव देते रहते थे।

प्रभात झा जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। उनको पढ़ने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और अपने निर्भीक लेखन से वे काफी लोगों के चहेते थे। उन्होंने पत्रकारिता में उच्चतम मानक स्थापित किये। वे न केवल अपने वैचारिक आलेखों के जरिये राष्ट्र की ज्वलंत समस्याओं को सशक्त तरीके से प्रस्तुति देते रहे बल्कि गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। अपनी कलम के जरिये उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कलम जब भी चली उन्होंने लाखों लोगों की समस्याओं को सरकारों और प्रशासन के सामने रखा और भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दिया।

प्रभात झा को हम भारतीयता, पत्रकारिता एवं भारतीय राजनीति का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। वे एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्हें पत्रकार जगत का एक यशस्वी योद्धा माना जाता है। उन्होंने आमजन के बीच, हर जगह अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई प्रभात झा जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजर कर महानता का वरण करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, कलम, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। उन्होंने आदर्श एवं संतुलित समाज निर्माण के लिये कई नए अभिनव दृष्टिकोण, सामाजिक सोच और कई योजनाओं की शुरुआत की। देश और देशवासियों के लिये कुछ खास करने का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा था। वे समाज के लिये पूरी तरह समर्पित थे।

प्रभात झा एक ऐसे जीवन की दास्तान है जिन्होंने अपने जीवन को बिन्दु से सिन्धु बनाया है। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। प्रभातजी के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की पत्रकारिता, राजनीति, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं। उन्होंने व्यापक संदर्भों में जीवन के सार्थक आयामों को प्रकट किया है, वे आदर्श जीवन का एक अनुकरणीय उदाहरण हैं, मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता, समाजसेवा एवं राजनीति को समर्पित एक लोककर्मी का जीवनवृत्त है। उनके जीवन से कुछ नया करने, कुछ मौलिक सोचने, पत्रकारिता एवं राजनीति को मूल्य प्रेरित बनाने, सेवा का संसार रचने, सद्प्रवृत्तियों को जागृत करने की प्रेरणा मिलती रहेगी।

प्रभात झा वतर्मान भारतीय राजनीति के कद्दावर नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदशिर्ता भरी नीतियों से प्रभावित थे और भाजपा मुखपत्र ह्यकमलह्न के माध्यम से सशक्त भारत, विकसित भारत की नीतियों को बल देने के लिये वैचारिक धरातल तैयार किया। वे एक राजनीतिज्ञ के रूप में सदा दूसरों से भिन्न रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। वे जितने उच्च नैतिक-चारित्रिक राजनेता एवं पत्रकार थे, उससे अधिक मानवीय एवं सामाजिक थे। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है।

भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में प्रभातजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति नहीं, नेता नहीं, बल्कि विचार एवं मिशन थे। प्रभात झा को एक सुलझा हुआ और कद्दावर नेता, जनसेवक एवं पत्रकार माना जाता रहा है। उनका निधन एक आदर्श एवं बेबाक सोच की पत्रकारिता का अंत है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे।

प्रभातजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, प्रखर पत्रकार, लेखक, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे गहरे मानवीय सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ व्यक्तित्व थे। बेशक प्रभातजी अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल लेखक-पत्रकार जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय पत्रकारिता एवं हिन्दी साहित्य के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको सकारात्मक माहौल में काम करने का मौका मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप कोई नया काम शुरू करेंगे। जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे। आपकी किसी परिवारिक समस्या का निवारण होने से आपको बहुत सुकून मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ कहीं धार्मिक यात्रा पर जाएंगे। आपकी यात्रा शुभ फलदाई साबित होगी।

वृष राशि-आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज कोई खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की प्रतीक्षा आज समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेंगी। आज आपके घर के सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। लवमेट आज कहीं घूमने जाएंगे।

मिथुन राशि-आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं, आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। मित्रों से हर संभव सहायता मिलती रहेगी। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क राशि-आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर का अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। संतान को लेकर उलझने दूर होगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज आप किसी तरह के वाद-विवाद में पड़ने से बचें। आज आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने का मन बनायेंगे। परिवार वालों के साथ विचार विमर्श करेंगे।

सिंह राशि-आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही उलझनों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी का प्रयास कर रहे लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है। राजनीति से जुड़े लोगों का रुतबा बढ़ेगा। आज आप किसी सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। लोग आपके विचारों से प्रभावित होंगे। आज आपका दांपत्य जीवन अच्छा रहने वाला है। लवमेट से आज उपहार मिलेगा, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि-आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे। आज आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे। संतान को लेकर अच्छे परिणाम मिलेंगे। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। आपको कम्युनिकेशन के माध्यमों से लाभ होगा, और आप तरक्की करेंगे।

तुला राशि-आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। अचानक आपके सामने कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आप आसानी से उनसे बाहर निकल जायेंगे। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण रहेगा। आपको घरवालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से आपको सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे। लेकिन आप अपने काम और परिवार के बीच बैलेंस बना कर चलेंगे। जिससे घर में सभी आपसे खुश रहेंगे। आज आपको किसी तरह के कोर्ट कचहरी में मामले में पड़ने से बचना चाहिए।

धनु राशि-आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे। इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके परिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है। आप अच्छी दिनचर्या अपनाकर अच्छा खान-पान रखकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

मकर राशि-आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे। घर में कोई फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे। आज आपके संतान को पढ़ाई के क्षेत्र में उन्नति मिलेगी। जिसे सुनकर आपको खुशी मिलेगी।

कुंभ राशि-आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे। लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा। आज आप सपरिवार किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। आज आपका दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है।

मीन राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने मामले को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में आएगा। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। इस दौरान आपको आपकी मेहनत से अच्छे धन लाभ की संभावना है। संतान को किसी बड़े संस्थान में एडमिशन मिलने की खबर मिलेगी। आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है,

जेनिफर लोपेज से तलाक के बाद बेन एफ्लेक एक बड़ी पार्टी रखेंगे

तलाक की खबरें अक्सर हॉलीवुड खबरों की सुर्खियों में बनी रहती हैं। बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज के बीच तलाक की अफवाहें बढ़ती जा रही हैं। तलाक की अफवाहों के संबंध में भी नई जानकारी जारी की गई। बेन एफ्लेक कथित तौर पर अपने तलाक के बाद एक भव्य पार्टी की योजना बना रहे हैं। जेनिफर लोपेज से तलाक के बाद बेन एफ्लेक ने आराम करने और तरोताजा होने के लिए एक पार्टी आयोजित करने की योजना बनाई है। सूत्रों के मुताबिक, एफ्लेक अपने करीबी दोस्तों और परिवार को पार्टी में आमंत्रित करेंगे, जो उनके घर पर आयोजित की जाएगी। बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज ने अभी तक अपने अलगाव पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर दोनों का ब्रेकअप हुआ तो हॉलीवुड में एक बड़ा तलाक हो जाएगा। एक सूत्र ने हाल ही में इनटच को बताया कि बेन एफ्लेक जेनिफर लोपेज से अपने तलाक को लेकर घबराए हुए हैं। अब किसी और ने कहा है कि अफ्लेक वास्तव में खुश है कि जेनिफर लोपेज के साथ उसकी कठिन शादी खत्म हो गई है। वे अपनी नई आज़ादी का जश्न मनाने के लिए दोस्तों और परिवार के साथ एक बड़ी पार्टी आयोजित करने की योजना बनाते हैं। एक सूत्र ने दावा किया: 'बेन बस इन सब से दूर जाना चाहता है और फिर से जीवन का आनंद लेना चाहता है और अपने सबसे करीबी दोस्तों के साथ पार्टी करना चाहता है।' सूत्र ने यह भी कहा कि अभिनेता जॉर्जिया में अपने जीवन के अगले अध्याय का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि इस जगह से जोड़े का भावनात्मक लगाव अद्भुत है। उन्होंने कहा, 'वह जॉर्जिया में अपने घर पर एक बड़ी पार्टी रखने की बात कर रहे हैं, जो बहुत अच्छी है क्योंकि उन्होंने और जेनिफर लोपेज ने वहां एक बड़ी शादी की थी।'

राष्ट्रीय पुरस्कार की चर्चा पर विक्रांत मैसी ने कहा

मुंबई. विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12th fail में अपने अभिनय के लिए अभिनेता विक्रांत मैसी इस साल राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के शीर्ष दावेदारों में से एक हैं। जीवनी पर आधारित इस फिल्म को सकारात्मक समीक्षा मिली और मैसी ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की भूमिका निभाई, जिसे प्रशंसकों और आलोचकों दोनों से अपार प्यार मिला। वास्तव में, पिछले साल दिसंबर में फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद, अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर और व्यवसायी आनंद महिंद्रा ने एक्स पर जाकर कहा कि मैसी का मार्मिक अभिनय राष्ट्रीय पुरस्कार के योग्य है। अगले महीने 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा से पहले, हमने मैसी से पूछा कि उनकी वर्तमान मानसिक स्थिति कैसी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'देखते हैं। अभी मैं क्या बोल सकता हूँ। मैं इस बारे में बहुत बात करके इसे खराब नहीं करना चाहता।' अपनी ओर आ रही प्रशंसा और प्रोत्साहन से अभिभूत मैसी कहते हैं कि राष्ट्रीय पुरस्कार के योग्य माने जाने मात्र से ही उन्हें अपने काम पर गर्व महसूस होता है। 'एक ऐसे वार्षिक वर्ष में [पुरस्कार के लिए] विचार किया जाना, जहाँ कई प्रदर्शन बेहतरीन रहे और उनका सम्मान किया गया, और लोगों ने वास्तव में इन प्रदर्शनों को अच्छा प्रदर्शन माना... मुझे लगता है कि मैं पहले से ही एक अच्छे क्लब में हूँ, इसलिए मैं इस बात से खुश हूँ,' अभिनेता ने साझा किया, जिन्हें फिल्म में मेधा शंकर के साथ जोड़ा गया था। 37 वर्षीय, अपने विनम्र स्वभाव के कारण, अन्य सराहनीय प्रदर्शनों की प्रशंसा करते हैं जो प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए सबसे पसंदीदा में से हैं। 'जितना लोग मेरे राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बारे में बात कर रहे हैं, पिछले साल कुछ अविश्वसनीय प्रदर्शन हुए थे। सैम बहादुर में विक्की कौशल ने जो किया वह अभूतपूर्व था। उस फिल्म के लिए उन्होंने जो समय और मेहनत लगाई वह अभूतपूर्व थी, और मैं जानता हूँ क्योंकि (निर्देशक) मेघना गुलज़ार भी मेरी बहुत अच्छी दोस्त हैं,' वे आगे कहते हैं, 'वास्तव में यह कई कलाकारों के लिए एक शानदार वर्ष था। फहाद (फासिल) ने आवेश में जो किया वह उतना ही अच्छा था जितना कि पृथ्वीराज ने गोट लाइफ में किया था। मुझे ऐसे बेहतरीन अभिनेताओं के साथ विचार किए जाने की खुशी है,' अभिनेता, जो अगली बार द साबरमती रिपोर्ट में नजर आएंगे।

तापसी पन्नू 'फिर आई हसीन दिलरुबा', 'खेल खेल में' की रिलीज को लेकर उत्साहित

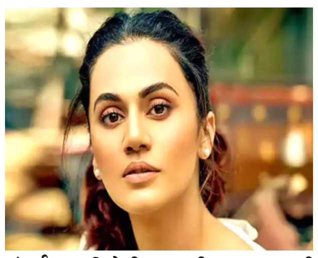

मुंबई: अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी आगामी परियोजनाओं 'फिर आई हसीन दिलरुबा' और 'खेल खेल में' के साथ प्रशंसकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'फिर आई हसीन दिलरुबा के ट्रेलर और खेल खेल में के पहले गाने की रिलीज़ को मिली शानदार प्रतिक्रिया के साथ मेरी दोनों फिल्मों की शुरुआत बहुत शानदार रही है। दोनों ही फिल्में न केवल अपने जॉनर में बल्कि दोनों फिल्मों में मेरे किरदार के मामले में भी बहुत विविधतापूर्ण हैं। यह महज संयोग है कि वे दोनों मेरे जन्मदिन के तुरंत बाद रिलीज़ हो रही हैं, इसलिए मुझे उम्मीद है कि अगस्त के महीने में मेरी तरफ से मेरे दर्शकों के लिए यह मनोरंजन की बड़ी पार्टी होगी। और मैं उनसे प्यार का तोहफा पाने की प्रार्थना कर रही हूँ।' हाल ही में, निर्माताओं ने तापसी पन्नू और Vikrant Massey अभिनीत रोमांटिक थ्रिलर का ट्रेलर जारी किया।

अरमान रणवीर शिवानी कुमारी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते

जैसे-जैसे बिग बॉस ओटीटी 3 अपने समापन के करीब पहुंच रहा है, अन्य प्रतियोगियों का खेल और अधिक तीव्र होता जा रहा है। कुछ प्रतिभागियों को अपनी मित्रता में दरार और अपने परिवारों से उपहास का सामना करना पड़ता है। अब अरमान शिवानी कुमारी से कुछ कहता है और वह इस बात पर रोने लगती है. दरअसल, बिग बॉस का नया प्रोमो सामने आया है जिसमें अरमान और लवकेश बातचीत कर रहे हैं और शिवानी पर झूठा होने का आरोप लगा रहे हैं. कृपया मुझे इस समस्या की एक सामान्य तस्वीर बताएं। आज बिग बॉस वीकेंड का वार हो रहा है और होस्ट अनिल कपूर एक बार फिर से घर वालों को सीख देते नजर आ रहे हैं. उनके आने से पहले बिग बॉस के घर में हंगामा मच गया है. दरअसल, लवकेश अरमान के पास बैठा है और मैंने उसे यह कहते हुए सुना, 'मुझे पता चला कि मेरी भाभी (कृतिका) बाहर आई और बोली कि लवकेश मुझे परेशान कर रहा है।' बाद में, आर्मंड का कहना है कि वह इस आदत को कभी नहीं छोड़ सकता। यह व्यक्तिगत रूप से किया जाना चाहिए. फिर शिवानी समझाती है और कहती है कि कृतिका कहती है कि रणवीर बइया को परेशान कर रहा है। इसके बाद अरमान रणवीर से पूछते हैं कि क्या कृतिका ने उन्हें बताया था कि रब्बाश उन्हें परेशान कर रहा है।

टीएमकेओसी अभिनेता 'गोली' ने छोड़ा शो, नए कलाकार ने ली जगह

मुंबई: कुश शाह ने 16 साल पहले इसकी शुरुआत से ही कलाकारों का हिस्सा रहने के बाद लंबे समय से चल रहे कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा को छोड़ दिया है। निर्माताओं द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, कुश ने TMKOC के प्रशंसकों के लिए एक विदाई संदेश साझा किया। भले ही उन्होंने अपने बाहर निकलने के पीछे का कारण नहीं बताया, लेकिन अफवाहें बताती हैं कि वह विदेश में पढ़ाई करने की इच्छा रखते हैं। इस बीच, कुश की जगह गोली की भूमिका निभाने वाले नए अभिनेता से भी परिचय हो गया है। एक वीडियो में, कुश शाह गोकुलधाम सोसाइटी में एक स्कूटर पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, "जब यह शो शुरू हुआ था, जब आप और मैं पहली बार मिले थे, मैं बहुत छोटा था। आपने तब से मुझे बहुत प्यार दिया है। और इस परिवार ने मुझे उतना ही प्यार दिया है जितना आपने मुझे दिया है मैंने अपना बचपन यहीं बिताया है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं इस यात्रा के लिए तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता श्री असित कुमार मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। उन्होंने मुझ पर इतना भरोसा किया, मेरे किरदार को इतना दिलचस्प बनाया और हमेशा मुझे प्रेरित किया। उनके भरोसे की वजह से ही कुश आज गोली बन गया।' वीडियो में TMKOC में गोली के 16 साल के लंबे सफर को दिखाया गया है। जब कुश की विदाई के लिए कलाकार इकट्ठा होते हैं, तो वह वादा करता है कि वह अपने जीवन में जहाँ भी जाएगा, टीम को गौरवान्वित करेगा। TMKOC में, कुश शाह ने कहा कि अभिनेताओं को बदला जा सकता है लेकिन किरदार बने रहेंगे। जैसा कि पहले भी शो छोड़ने वाले कई अभिनेताओं के साथ हुआ है, निर्माताओं ने कुश के लिए भी एक प्रतिस्थापन ढूंढ लिया है। टप्पू सेना में गोली की भूमिका निभाने वाले अभिनेता को भी अंत में छोटे वीडियो में पेश किया गया।

फराह खान की मां मेनका का निधन

मुंबई : छ दिन पहले जाने-माने अभिनेता और निर्माता कृष्णा कुमार की बेटी तिशा कुमार के निधन ने पूरी इंडस्ट्री को झकझोर कर रख दिया था। इस दर्द से लोग उबरे ही नहीं थे कि अब फिल्मी दुनिया से एक और दुखभरी खबर सामने आ रही है। निर्देशक फराह खान की मां मेनका ईरानी का निधन हो गया है। फराह खान की मां और डेजी ईरानी व हनी ईरानी की बहन मेनका ईरानी अब इस दुनिया में नहीं रहीं। शुक्रवार को मुंबई में फराह की मां ने 79 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। मेनका के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री को गहरा झटका लगा है। फैंस भी मायूसी के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। दो हफ्ते पहले ही फराह ने अपनी मां का 79वां जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ फोटोज शेयर की थीं और उनके बीमारी के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था, 'हम सभी अपनी मां को हल्के में लेते हैं, खासकर मैं। पिछले महीने मुझे एहसास हुआ कि मैं अपनी मां मेनका से कितना प्यार करती हूं।

विविध

मोटापे से लड़ने में कारगर साबित होगी किचन में रखी एक चीज

क्या वजन कम करने की आपकी सारी कोशिशें नाकाम हो गई हैं? अगर हां, तो आपको अपनी रसोई में मौजूद देसी तेल को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। हमारी दादी-नानी के समय से ही देसी घी का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता रहा है। क्या आप जानते हैं कि देसी घी समग्र स्वास्थ्य में सुधार और शरीर में अतिरिक्त वसा को जलाने के लिए बहुत उपयोगी है?

देसी घी में कॉन्जुगेटेड लिनोलिक एसिड नामक फैटी एसिड वसा जलाने में मदद करता है। दरअसल, यह फैटी एसिड शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को घोलता है और वसा कोशिकाओं के आकार को उनके पिछले आकार में कम कर देता है। इसके अलावा अगर आप देसी घी का सही तरीके से सेवन करते हैं तो आप मोटापे से भी बच सकते हैं। वजन घटाने के लिए दूध के साथ देसी घी का सेवन करना चाहिए। दूध में देसी घी मिलाकर पीने से न सिर्फ आपके शरीर में जमा फैट बर्न होगा बल्कि पेट की सभी समस्याओं से भी छुटकारा मिलेगा। आप चाहें तो थोड़ा देसी घी भी डाल सकते हैं. मोटापे को अलविदा कहने के लिए आप गर्म पानी में एक बड़ा चम्मच देसी घी मिलाकर भी पी सकते हैं।

देसी घी में मौजूद तत्व भूख को दबाने वाले साबित होते हैं। इसके अतिरिक्त, अपने आहार में देसी घी को शामिल करना आंत और हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हुआ है। बेहतर परिणाम के लिए आप एक बार देसी घी की शुद्धता की जांच कर लें।

सावन व्रत के लिए ध्यान रखें हेल्थ से जुड़ी ये जरुरी बाते

सावन के महीने में अगर फास्टिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिन्हें फॉलो करने से आपके फैट लॉस में काफी हेल्प मिलेगी।सावन के पवित्र महीने की शुरुआत आज से हो चुकी है। भगवान भोलेनाथ के इस पावन महीने में उन्हें प्रसन्न करने के लिए बहुत से भक्त उपवास भी करते हैं। वहीं कुछ भक्त किसी भी तरह का मसालेदार भोजन छोड़कर एकदम सात्विक आहार ग्रहण करना शुरू कर देते हैं। व्रत-उपवास के धार्मिक फायदों के साथ-साथ सेहत के लिए लाभ भी किसी से छिपे नहीं हैं। आज तो विज्ञान ने Fasting के महत्व को दुनिया भर के सामने रख दिया है और कई लोग तो सिर्फ हेल्थ के लिए ही आजकल फास्टिंग करने लगे हैं। फास्टिंग के कई फायदों में से एक वजन कम करना भी है। अगर आप भी इस सावन भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के साथ वजन भी कम करना चाहते हैं तो सावन में एक खास तरह की डाइट फॉलो कर सकते हैं।

बैलेंस डाइट का नियम ना छूटे

सावन में फास्टिंग के दौरान हमेशा ध्यान रहे कि शरीर को प्रॉपर बैलेंस डाइट मिलती रहे। इस बात की हमेशा ध्यान रहें कि फास्टिंग के चक्कर में ऐसा ना हो कि आपके शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स ही ना मिल रहे हों। आप खाने में सब्जियां, फल, मेवे, तरह-तरह के बीज शामिल कर सकते हैं। इन चीजों से पेट भी ज्यादा देर तक भरा रहता है और शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी नहीं होती।

हाइड्रेशन है बेहद जरूरी

फास्टिंग के दौरान अक्सर होता है कि ज्यादा ना खाने की वजह से प्यास भी कम लगती है। जिसके चलते अक्सर हम सही मात्रा में पानी पीना ही स्किप कर देते हैं। ये सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं होता। इसी के चलते कुछ लोग फास्टिंग में बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस करने लगते हैं। खाने की क्वांटिटी बेशक ही ऊपर-नीचे होते रहे लेकिन शरीर को प्रॉपर हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है।

कैलोरी पर रखें नजर

व्रत के दौरान सबसे बड़ी गलती यही होती है जिसके चलते उपवास रखने के बाद भी वजन में कोई अंतर नहीं दिखता। अक्सर उपवास के दौरान एक टाइम आहार लेते समय बहुत से लोग काफी मीठा और तला हुआ भोजन करते हैं। आजकल व्रत के खाने के नाम पर वैसे भी market में नमकीन से लेकर हर तरह की चीजें मौजूद हैं। ऐसे में अगर आप फास्टिंग के दौरान ऐसी चीजों का सेवन करते हैं तो वजन घटने की उम्मीद करना फिजूल है।

हल्के-फुल्के व्यायाम को बनाएं लाइफस्टाइल का हिस्सा

व्रत के दौरान भी बॉडी की फिजिकल एक्टिविटी जरूरी हो जाती है। ऐसे में आपको हाई इंटेंसिटी एक्सरसाइज से परहेज करना चाहिए। लेकिन आप हल्की-फुल्की एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करना ना भूलें। चाहे लंबी वॉक हो या फिर फिर व्यायाम, किसी तरह के मूवमेंट को जरूर अपने लाइफस्टाइल में एड करें।

नए पिता के लिए आवश्यक अभिभावकत्व सलाह

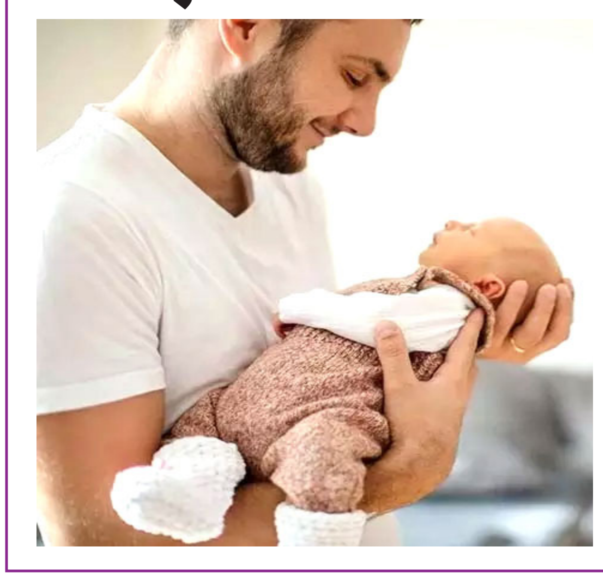

पिता बनने की खबर बहुत ही रोमांचक होने के साथ-साथ डराने वाली भी होती है, क्योंकि दुनिया में एक नए जीवन को लाने की कल्पना करना अक्सर भारी पड़ सकता है। पिता, कई मायनों में, बच्चे के साथ जुड़ने वाला पहला व्यक्ति होता है। जबकि माँ शायद बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, पिता होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। Pregnancy के दौरान सक्रिय भागीदारी एचटी लाइफस्टाइल के साथ एक साक्षात्कार में, बेंगलुरु के बेलंदूर में क्लाउडनाइन ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजिस्ट और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मी मेनन ने साझा किया, 'पिता के लिए प्रसवोत्तर अवधि, आमतौर पर बच्चे के जन्म के बाद के पहले छह हफ्तों को संदर्भित करती है, लेकिन ठीक होने में अधिक समय लग सकता है। जबकि माँ का शरीर बच्चे के जन्म से ठीक हो रहा होता है, जिसमें टांके, दर्द और थकान से निपटना शामिल हो सकता है या हार्मोनल उतार-चढ़ाव मूड स्विंग, चिंता और प्रसवोत्तर अवसाद का कारण बन सकता है। इस स्तर पर, पिताओं को यह महसूस करना और पहचानना चाहिए कि रिकवरी शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह से होती है - डायपर बदलना, नहलाना और बच्चे को सुलाना सीखने से लेकर उसका बोझ हल्का करने के लिए घर पर और ज़िम्मेदारियाँ उठाना।' नए पिताओं के लिए शिक्षा और तैयारी के सुझाव डॉ. लक्ष्मी मेनन ने प्रसवोत्तर तैयारी के लिए नए पिताओं के लिए कुछ सुझाव सुझाए सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि आप पूरी गर्भावस्था प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्कैन के लिए अपने साथी के साथ जाना, गर्भावस्था के विभिन्न चरणों और बच्चे के विकास में रुचि रखना, अपने साथी के स्वास्थ्य में निवेश करना और उनकी विभिन्न इच्छाओं और इच्छाओं को पूरा करना एक मजबूत बंधन विकसित करने और माता-पिता बनने के लिए तैयार होने के बेहतरीन तरीके हैं। आपके साथी के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं जो बहुत सारे आत्म-संदेह और कम आत्म-सम्मान पैदा करते हैं। आपके साथी के लिए बदलावों के संबंध में प्रोत्साहित होना बेहद आश्वस्त करने वाला होता है, डेट नाइट्स, अचानक डिनर और 'बेबी मून' की स्थापना करना वास्तव में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है! वर्कशॉप और लैमेज़ क्लास में भाग लेने से आपको प्रसव प्रक्रिया को समझने में मदद मिलती है और आप अपने बच्चे के जन्म तक की यात्रा में कैसे शामिल हो सकते हैं। बच्चे के आने के बाद क्या दिनचर्या अपेक्षित हो सकती है, डायपर बदलना और नहलाना आदि कुछ ऐसी कक्षाएं हैं जो आपको तैयार होने में मदद कर सकती हैं। परिवार के वित्त को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। गर्भावस्था से लेकर बच्चे तक के लिए बजट की योजना विस्तार से बनाने की आवश्यकता है। अपने काम के शेड्यूल को साफ़ करें ताकि बच्चे के जन्म से पहले सभी महत्वपूर्ण समय सीमाएँ पूरी हो जाएँ, इससे एक "मौजूद और उपलब्ध" साथी बनने में मदद मिलती है। अपने स्वास्थ्य को व्यवस्थित करें ताकि आप स्वस्थ और फिट रहें। आहार और Exercise के साथ एक उचित दिनचर्या अपनाएँ। इससे आपके बच्चे की ज़रूरतों से निपटने के साथ-साथ अपने साथी की ज़रूरतों को समझने के लिए पर्याप्त ऊर्जा मिलती है। बच्चे के जन्म के बाद, अपने आप को बच्चे के साथ रहने के लिए पर्याप्त समय दें। सांस्कृतिक रूप से, कभी-कभी नई माँ के आस-पास परिवार होते हैं, कभी-कभी सिर्फ़ आप ही जोड़े के रूप में होते हैं। जो भी हो, शिशु को आपके साथ बंधन की ज़रूरत होती है। इसलिए उपलब्ध रहना, अपने पितृत्व अवकाश का उपयोग करना, पेरेंटिंग बॉन्ड को स्थापित करने में एक लंबा रास्ता तय करता है। परिवार नए माता-पिता के लिए महत्वपूर्ण सहायता संरचना का हिस्सा बनते हैं। बच्चे Unexpected होते हैं, नई माताओं की तरह, पिता भी अवसाद की भावना का अनुभव करते हैं यदि बच्चा उनसे सहज महसूस नहीं करता या उनसे जुड़ता नहीं है! खुद को थोड़ा आराम दें और पहली बार में सब ठीक होने की उम्मीद न करें। किताबें आपको बस इतना ही तैयार करती हैं...असली बात हमेशा बाद में होती है।

स्मृति मंदाना रिकॉर्ड बनाया हरमनप्रीत पछाड़कर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दी

भारत की महिला क्रिकेट टीम बांग्लादेश को लगभग एकतरफा मुकाबले में हराकर 2024 एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। उस मैच में, रेणुका सिंह और राधा यादव ने शानदार गेंदबाजी की, जबकि स्मृति मंदाना और शेफाली वर्मा ने बड़ी पारी खेली और भारत को मैच में जीत दिलाई। इस बीच न सिर्फ भारतीय टीम फाइनल में पहुंची, बल्कि उपकप्तान स्मृति मंदाना ने एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। दिलचस्प बात यह है कि मंदाना ने अपनी आंखों के सामने ही कप्तान हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कृपया ध्यान दें कि यह महिला क्रिकेट है। हरमप्रीत कौर पहले टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं लेकिन अब स्मृति मंदाना ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। हालाँकि, दोनों के बीच रैंकिंग में अंतर उतना बड़ा नहीं है, इसलिए कौल किसी भी समय शीर्ष पर वापस आ सकते हैं। हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए 172 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और 3415 रन बनाए हैं. वह एक शतक और बारह अर्धशतकों में सफल रहे। जहां तक स्मृति मंदाना की बात है तो उन्होंने भारत के लिए अब तक 140 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने बल्ले से 3433 रन बनाए हैं। हालांकि इस प्रारूप में उन्होंने अभी तक कोई शतक नहीं लगाया है, लेकिन उनके नाम 25 अर्धशतक जरूर हैं। हरमनप्रीत कौर बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले तालिका में शीर्ष पर थीं लेकिन अब दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं।

स्मृति मंदाना ने आज बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप सेमीफाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने शानदार खेल दिखाया और 39 पिचों पर 55 अंक बनाए। उनके बल्ले से नौ चौके और एक छक्का निकला। उनका हिट रेट 141.03 रहा. एक समय ऐसा लग रहा था कि वह अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाएंगे, लेकिन 10वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगाकर उन्होंने न सिर्फ भारत को जीत दिलाई बल्कि अर्धशतक भी पूरा किया।

गंभीर भारत के मुख्य कोच के रूप में नए विचारों के साथ आएंगेः रवि शास्त्री

नई दिल्ली : भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि जब राष्ट्रीय पुरुष टीम शनिवार को पल्लेकेले में श्रीलंका का सफेद गेंद का दौरा शुरू करेगी तो गौतम गंभीर उनके लिए नए विचार लेकर आएंगे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भारत के नए मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होने से पहले, गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर के रूप में आईपीएल 2024 जीता। 'वह समसामयिक है, आईपीएल में उसका सीजन बहुत अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि वह सही उम्र है जहां वह युवा है, वह नए विचारों के साथ आएगा। वह ज्यादातर खिलाड़ियों को जानता है, खासकर सफेद गेंद प्रारूप में, जो इसका हिस्सा रहे हैं।' शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, 'और हम गौतम के बारे में जानते हैं, वह खरी बात कहने वाला व्यक्ति है। उसके पास अपने विचार भी होंगे। और उसके लिए अच्छी बात यह है कि उसके पास एक परिपक्व टीम है। उसके पास एक स्थापित टीम है, एक परिपक्व टीम है। मुझे लगता है कि भले ही आप सोच सकते हैं कि आप परिपक्व हैं, आपको कुछ नए विचारों से फायदा हो सकता है, इसलिए मुझे लगता है कि यह दिलचस्प समय होगा।'' भारत की 1983 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य शास्त्री ने गंभीर के शीर्ष पद पर अच्छा प्रदर्शन करने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा,'जाहिर तौर पर, एक कोच के रूप में खिलाड़ी प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वह कैसे आगे बढ़ता है। मुझे लगता है कि उसके पास उपकरण हैं, उसे काम के लिए सामान मिल गया है और उसके पास अनुभव है।'

उन्होंने यह भी कहा कि भारत के मुख्य कोच के रूप में गंभीर की सफलता के लिए सभी प्रारूपों में प्रत्येक खिलाड़ी का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण होगा। 'यह अपने खिलाड़ियों को जितनी जल्दी हो सके समझने का सवाल है। उनकी ताकत क्या है, वे किस तरह के इंसान हैं और उनका स्वभाव किस तरह का है? उनका व्यक्तित्व क्या है? एक इंसान को समझने के लिए पर्दे के पीछे बहुत कुछ करना पड़ता है।' 'मुझे लगता है कि यह उनका सबसे महत्वपूर्ण काम होगा, मुझे लगता है कि फिर से कोई समस्या नहीं होनी चाहिए क्योंकि वह समकालीन हैं। उन्होंने इन लोगों को बाहर से देखा है, उन्होंने कई लोगों के साथ काम किया है जो शायद केकेआर के साथ और लखनऊ (सुपर जाइंट्स) के लिए भी खेले होंगे, जब वह वहां थे। और वह सर्किट के आसपास रहे हैं, जिस क्षण उन्होंने क्रिकेट खत्म किया था और यह बहुत समय पहले नहीं हुआ था, वह अभी भी आसपास हैं, कई दिग्गज क्रिकेट भी खेलते हैं।' टी20 में गंभीर का पहला काम सही खिलाड़ियों को ढूंढना है जो टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की जगह ले सकें, क्योंकि इस साल टी20 विश्व कप जीत के बाद इन तीनों ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है।

'वहां बहुत सारे (अच्छे भारत के) खिलाड़ी हैं और यह सिर्फ सही मिश्रण पाने के बारे में है। मुझे लगता है कि इस टी20 विश्व कप को जीतने वाले कई खिलाड़ी अभी भी लगभग दो साल बाद (2026 टी20 विश्व कप में) जीतेंगे।'

'आपने उन तीन खिलाड़ियों का उल्लेख किया जो सेवानिवृत्त हो गए थे (रोहित, कोहली, जड़ेजा), लेकिन उन्हें छोड़कर, मुझे लगता है कि बाकी के अधिकांश अभी भी भारत में दो साल बाद टी 20 विश्व कप टीम में शामिल होने के लिए फिट होंगे।

'इसलिए मुझे नहीं लगता कि वहां बहुत कुछ किया जाना बाकी है। वास्तव में, आपके सामने एक समस्या आएगी क्योंकि आपको आने वाले नए लोगों में से चुनना होगा और वहां कुछ वास्तविक रोमांचक प्रतिभाएं हैं।

शास्त्री ने निष्कर्ष निकाला, 'तो मुझे लगता है कि यह दूसरा तरीका है। यह है कि आप उन लोगों को वहां कैसे लाते हैं कि वे इसे पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। वहां एक कतार है और यह उनकी सबसे बड़ी चुनौती होगी, लेकिन यह एक अच्छा सिरदर्द है जब आपके पास उस तरह की प्रतिभा है।'

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने निजी संगीत कार्यक्रम की मेजबानी की

लंदन। फुटबॉल की गर्मियों के दौरान, ध्यान हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर जाता है, निस्संदेह सभी समय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक। प्रशंसक उनकी हर हरकत पर नज़र रखते हैं, उनके स्थान और दोस्तों के बारे में अनुमान लगाते हैं। रोनाल्डो की शानदार प्रतिष्ठा उन्हें सबसे आगे रखती है; उनका प्रभाव खेल के धीमे समय के दौरान भी फुटबॉल समुदाय को रोमांचित करता है। हाल ही में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी डिओगो डालोट पुर्तगाल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के घर पर रिची कैंपबेल द्वारा आयोजित एक विशेष संगीत कार्यक्रम के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनके परिवार के साथ शामिल हुए। पांच बार बैलन डी'ओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने बच्चों और पार्टनर जॉर्जिना रोड्रिगेज के साथ अपनी गर्मियों की छुट्टियां बिताकर आगामी सऊदी प्रो लीग सीज़न की तैयारी कर रहे हैं। 39 वर्षीय रोनाल्डो अभी भी यूरो 2024 में मिली हार से उबर रहे हैं, जहां पुर्तगाल को प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस ने बाहर कर दिया था। ऑफ-सीजन के दौरान रोनाल्डो और उनके परिवार के साथ शामिल हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर डालोट पुर्तगाल की उस टीम का भी हिस्सा थे, जिसने फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर फाइनल पेनल्टी शूटआउट में यूरो 2024 को छोड़ा था। रोनाल्डो के करीबी दोस्त डालोट ने स्लोवेनिया के खिलाफ महत्वपूर्ण पेनल्टी चूकने के बाद उन्हें सांत्वना दी, जहां अतिरिक्त समय के दौरान दिग्गज फॉरवर्ड पूरी तरह से आंसुओं में डूबे हुए दिखाई दिए। डिओगो डालोट ने रोनाल्डो परिवार को उनकी छुट्टियों के दौरान पुर्तगाली कलाकार रिची कैंपबेल द्वारा एक अनोखे प्रदर्शन के लिए फिर से देखा। इस

दिन को यादगार बनाने के लिए, समूह ने एक साथ तस्वीरें खींचीं और एक विशिष्ट संगीत कार्यक्रम में भाग लिया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2024-25 सीज़न में अल-नासर के साथ अपने विस्फोटक स्कोरिंग रन को जारी रखना चाहते हैं। डालोट के उत्तरी अमेरिका में मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्री-सीजन दौरे में शामिल होने की संभावना है और 10 अगस्त को कम्युनिटी शील्ड में मैनचेस्टर सिटी का सामना करने पर वह अपने संग्रह में एक और ट्रॉफी जोड़ने की उम्मीद करेंगे। अल-नासर अब तक अपने पहले दो प्री-सीजन खेलों में एक भी मैच जीतने में विफल रहा है। ऐसा लगता है कि वे अपने कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना संघर्ष कर रहे हैं। कई मीडिया आउटलेट्स द्वारा रिपोर्ट किए जाने के अनुसार रोनाल्डो अगस्त के पहले सप्ताह में टीम में शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रीय टीम के बारे में बात करते हुए, रोनाल्डो एक ठोस प्रदर्शन करने और अगले साल राष्ट्र लीग में पुर्तगाल को गौरव दिलाने की कोशिश करेंगे। हालाँकि, यह आधिकारिक नहीं है कि 39 वर्षीय खिलाड़ी 2026 में विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे या नहीं।

मिलिए सबसे कम उम्र की गोल्फ खिलाड़ी अदिति अशोक से

पेरिसः समर गेम्स 100 साल के अंतराल के बाद पेरिस में वापस आ रहे हैं। सबसे बड़े खेल उत्सव के शुरू होने में बस कुछ ही घंटे बचे हैं, पूरी दुनिया की निगाहें फ्रांस की राजधानी पर टिकी हैं। अनोखे उद्घाटन समारोह से लेकर पर्यावरण के अनुकूल खेल गांव तक, पेरिस ओलंपिक में कई ऐसे नए विचार हैं जो इसे एक अलग ही श्रेणी में रखते हैं। 33वें समर गेम्स में कुल 117 भारतीय एथलीट हिस्सा लेने वाले हैं और उनमें से एक इन खेलों के इतिहास में सबसे कम उम्र की गोल्फ खिलाड़ी है। 26 वर्षीय, बेंगलुरु की एथलीट अदिति अशोक ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली अब तक की सबसे कम उम्र की गोल्फ खिलाड़ी हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचने के बाद अशोक का नाम हर किसी के बीच मशहूर हो गया था। युवा भारतीय गोल्फर ओलंपिक पदक से बाल-बाल चूक गई थीं, लेकिन उन्होंने पहले ही अपना नाम बना लिया था। अशोक निश्चित रूप से अंतिम बाधा पार करके भारत के लिए पदक जीतना चाहेंगी।

अशोक ने पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर अपने खेल में अपनी योग्यता साबित कर दी है। अदिति ने पांच साल की छोटी सी उम्र में इस खेल को अपनाया और बाकी सब इतिहास है। उन्होंने पहली बार कर्नाटक जूनियर और साउथ इंडियन जूनियर चैंपियनशिप में विजयी होकर 13 साल की उम्र में अपनी राज्य स्तरीय ट्रॉफी जीती। खेल में उनकी निरंतरता ने बाद में उन्हें 2013 में एशियाई युवा खेलों और 2014 में युवा ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय बनने में मदद की। 2016 में पेशेवर बनने के छह महीने बाद, अशोक ने ओलंपिक में पहली भारतीय महिला गोल्फ़र बनकर इतिहास रच दिया और वह सबसे कम उम्र की दावेदार थीं। अंतरराष्ट्रीय सर्किट में अभी भी काफी नया, अशोक रियो ओलंपिक में 60 गोल्फ़रों में 41वें स्थान पर रहा। भारतीय गोल्फ़र ने फिर टोक्यो ओलंपिक में अपने प्रदर्शन को बेहतर किया, लेकिन कुछ आखिरी शॉट गलत होने के कारण वह पदक से चूक गईं।

नीरज चोपड़ा गोल्ड मेडल जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे

2024 पेरिस ओलंपिक आधिकारिक तौर पर शुक्रवार को शुरू होगा और अरबों भारतीयों की निगाहें 117 एथलीटों की एक टीम को पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करते हुए देखेंगी। भारत की सबसे अच्छी उम्मीद भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा हैं। भारत के गोल्डन बॉय और भाला फेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में टोक्यो की अपनी सफलता को दोहराना है। नीरज चोपड़ा ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। अब चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में इतिहास बनाना चाहते हैं. नीरज चोपड़ा को फिलहाल पेरिस ओलंपिक में पदक की उम्मीद है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नीरज की उपलब्धियां सराहनीय हैं और उन्हें 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। 26 साल के नीरज चोपड़ा की कड़ी मेहनत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नीरज चोपड़ा वर्तमान में अंताल्या, तुर्किये में अपने कोच के तहत प्रशिक्षण ले रहे हैं।

व्यापार

एलआईसी का शेयर 1,178.60 रुपये के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

मुंबईः सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों ने शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,178.60 रुपये का नया सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ।इससे पहले शेयर ने इस साल 9 फरवरी को 1,175 रुपये प्रति शेयर का अपना सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था।निवेशकों के बीच पीएसयू शेयरों के लिए मजबूत परिचालन प्रदर्शन या सकारात्मक भावना के बाद एलआईसी के शेयरों में पिछले एक साल में लगभग 80 प्रतिशत की तेजी आई है।शेयर ने बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में 38.61 प्रतिशत रिटर्न दिया है, जिन्होंने क्रमशः 11.24 प्रतिशत और 12.86 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7.34 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिससे यह भारत में आठवीं सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी बन गई और भारतीय स्टेट बैंक के बाद सरकारी सूचीबद्ध पीएसयू कंपनियों में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई।शेयर के मौजूदा बाजार मूल्य 1,171.40 रुपये प्रति शेयर को ध्यान में रखते हुए, शेयर अपने आईपीओ मूल्य से 21.71 प्रतिशत अधिक पर कारोबार कर रहा है।इस बीच, साल-दर-साल आधार पर, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड जैसी निजी जीवन बीमा कंपनियों में 6.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंसकंपनी लिमिटेड में 32.93 प्रतिशत की वृद्धि हुई और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में 18.66 प्रतिशत की वृद्धि हुई।वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का राजस्व 8.46 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 7.84 लाख करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का मुनाफा 35,997 करोड़ रुपये से बढ़कर 40,885 करोड़ रुपये हो गया।

एसयूवी ने लॉन्च के 6 महीने के अंदर ही गेम बदल दिया

एसयूवी सेगमेंट में भारतीय ग्राहकों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। 2024 की पहली छमाही में देश में कुल कारों की बिक्री में एसयूवी सेगमेंट की हिस्सेदारी 52% होगी। इस सेगमेंट में हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टस, टाटा पंच और मारुति सुजुकी ब्रेज़ा जैसी एसयूवी काफी लोकप्रिय हैं। दूसरी ओर, जनवरी 2024 में लॉन्च की गई नवीनतम हुंडई क्रेटा ने आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त किए हैं। Hyundai Creta ने केवल छह महीनों में 100,000 SUV बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। एचटी ऑटो में छपी खबर के मुताबिक, पिछले छह महीने में रोजाना 550 से ज्यादा हुंडई क्रेटा एसयूवी बिकी हैं। हम आपको बता दें कि Hyundai Creta अभी भी कंपनी की बेस्ट सेलर है। इसके अलावा, हुंडई क्रेटा देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली मिडसाइज एसयूवी बनी हुई है। Hyundai Creta के फीचर्स, इंजन और कीमत के बारे में और जानें। हुंडई क्रेटा फेसलिफ्ट के इंटीरियर के बारे में बात करते हुए, हमें कहना होगा कि यह हुंडई नई 10.25-इंच टचस्क्रीन, एक नया 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग, ऑडियो के साथ एक पैनोरमिक सनरूफ और 8-वे ड्राइव स्टीयरिंग के साथ आती है। चित्रित है। यह सीट, हवादार सामने की सीटों और डी-आकार के स्टीयरिंग व्हील से पूरी तरह सुसज्जित है। कुल मिलाकर, हुंडई क्रेटा फेसलिफ्ट 70 से अधिक सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती है। भारतीय बाजार में Hyundai Creta के टॉप-ऑफ-द-लाइन मॉडल की एक्स-शोरूम कीमतें 11 लाख रुपये से 20.1 लाख रुपये के बीच हैं। फेसलिफ्टेड हुंडई क्रेटा का बाजार में किआ सेल्टस, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा और टोयोटा अर्बन क्रूजर से मुकाबला है। पावरट्रेन अब एक नए 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन से लैस है जो अधिकतम 160 एचपी की पावर और 253 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। ग्राहक अब 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन से लैस हैं जो 115 एचपी और 144 एनएम टॉर्क पैदा करता है। दूसरी ओर, यह 1.5L डीजल इंजन से भी लैस है जो 116 HP की अधिकतम पावर और 250 Nm का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। ग्राहक अपनी कार के इंजन के लिए मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के बीच चयन कर सकते हैं। आपको बता दें कि हुंडई क्रेटा अपने ग्राहकों को 17 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे का माइलेज देने का दावा करती है।

आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा को बढ़ाकर 31 अगस्त करने की संभावना

आईटीआर फिलिंग डेटः आयकर विभाग मौजूदा आकलन वर्ष (एवाई) 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समयसीमा को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई से 31 अगस्त करने की संभावना है। ऐसा इसलिए है क्योंक 31 जुलाई की समयसीमा से सिर्फ़ 5 दिन पहले 2.2 करोड़ से ज़्यादा करदाताओं ने अभी तक अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि करदाताओं ने महत्वपूर्ण तकनीकी गड़बड़ियों Disturbances की सूचना दी है। हालांकि, आयकर विभाग ने शुक्रवार को करदाताओं से 31 जुलाई, 2024 से पहले आईटीआर दाखिल करने की बात दोहराई। "अगर आपने अभी तक अपना आईटीआर दाखिल नहीं किया है, तो उसे दाखिल करना न भूलें। आयकर विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024 है।' पिछले साल, देश में आईटीआर दाखिल करने में अभूतपूर्व उछाल देखा गया था, 31 जुलाई, 2023 तक लगभग 6.77 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे। यह रिकॉर्ड उच्च करदाताओं के बीच बढ़ते अनुपालन और दाखिल करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए कर प्रशासन के प्रयासों की प्रभावशीलता Effectiveness को रेखांकित करता है। अब, 26 जुलाई, 2024 तक, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लगभग 4.6 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए हैं, जबकि पिछले साल 31 जुलाई तक 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे। आयकर विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस साल का कम आईटीआर आयकर पोर्टल पर पंजीकृत 12.4 करोड़ व्यक्तियों की तुलना में भी काफी कम है। 'हालांकि यह 4.6 करोड़ का आंकड़ा पर्याप्त है, लेकिन यह दर्शाता है कि कई करदाताओं ने इस साल अभी तक अपनी फाइलिंग पूरी नहीं की है। पिछले साल के रुझान और मौजूदा गति को देखते हुए, शेष करदाताओं को समायोजित करने के लिए समय सीमा बढ़ाने का एक मजबूत मामला है,' एक कर विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर कहा। अब तक, AY2024-25 के लिए 4,60,15,630 करोड़ ITR दाखिल किए गए हैं। इनमें से 4.23 ITR सत्यापित किए गए हैं। साथ ही, 1.9 करोड़ सत्यापित ITR अभी संसाधित किए गए हैं।

इस साल ITR फाइलिंग कम क्यों रही?

आयकर पेशेवरों ने ई-फाइलिंग वेबसाइट पर तकनीकी गड़बड़ियों की सूचना दी है। महत्वपूर्ण सुधारों के बावजूद, ई-फाइलिंग पोर्टल को बीच-बीच में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा है, जिससे कुछ करदाता समय पर अपनी फाइलिंग पूरी नहीं कर पा रहे हैं। कर विशेषज्ञ ने कहा, 'इस विस्तार से इन गड़बड़ियों से प्रभावित लोगों को राहत मिलेगी।'

आयकर बार एसोसिएशन (ITBA), जो 1947 में स्थापित भारत में कर पेशेवरों के लिए सबसे पुराना संघ है, ने भी वित्त मंत्रालय से समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है।

वित्त मंत्रालय को लिखे पत्र में आईटीबीए ने कहा, 'यह आपके ध्यान में लाया जाता है कि एक बार फिर आयकर पोर्टल लगभग एक महीने से ठीक से काम नहीं कर रहा है। पोर्टल की धीमी गति, अपलोड से संबंधित समस्याएं, गैर-प्रतिक्रियाशील पृष्ठ, आधार-आधारित ओटीपी सत्यापन के लिए यूआईडीएआई से कोई प्रतिक्रिया नहीं जैसी कई गड़बड़ियाँ हैं।' सरकार को लिखे पत्र में आईटीबीए ने कहा कि पोर्टल के ठीक से काम न करने और भारी रिपोर्टिंग की आवश्यकता के मद्देनजर सरकार से अनुरोध है किः

1) पोर्टल के रखरखाव के लिए जिम्मेदार तकनीकी टीम, विक्रेता और अधिकारियों को निर्देश दें कि यह पिछले साल की तरह ही सुचारू रूप से काम करे, जिससे बढ़ते करदाता आधार की जरूरतों को पूरा किया जा सके।2) आकलन वर्ष 2024-25 के लिए देय तिथि को 31 जुलाई, 2024 से बढ़ाकर 31 अगस्त, 2024 करें।

पिछले आकलन वर्ष 2023-24 में, भारत में 31 जुलाई, 2023 तक लगभग 6.77 करोड़ की रिकॉर्ड उच्च आईटीआर फाइलिंग देखी गई। हालांकि, 31 दिसंबर, 2023 तक दाखिल किए गए आईटीआर की संख्या बढ़कर 8.18 करोड़ हो गई।

भिलाई क्षेत्र को ओडीएफ प्लस गार्बेज फ्री सिटी बनाने का मुहिम शुरू

भिलाईनगर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत नगर निगम भिलाई को गार्बेज फ्री सिटी ओडीएफ प्लस बनाने अभियान शुरू किया गया है। स्वच्छता में भिलाई को टॉप 10 में लाने के लिए सभी वर्गो से सहयोग लिया जायेगा। जो कार्य नगर निगम भिलाई के साथ-साथ आम नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी वर्ग, महिला समूह, खिलाड़ी, स्कूल कालेज के छात्र-छात्राओं के बगैर संभव नहीं होगा। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव निगम क्षेत्र के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये है, जो जाकर कार्यो की मॉनिटरिंग कर रहे है। जोन 1 नेहरू नगर में उपअभियंता श्वेता महेश्वर, जोन 2 वैशालीनगर में उपअभियंता कृष्ण कुमार जंघेल, जोन 3 मदर टेरेसा नगर में उपअभियंता शंकर सुमन मरकाम, जोन 4 शिवाजी नगर खुर्सीपार में उपअभियंता चंदन निर्मलकर, जोन 5 सेक्टर 6 में प्रभा लकड़ा को स्वच्छ भारत मिशन कार्य के लिए आदेशित किया गया है। नोडल अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, सुपरवाईजर, कार्य करने वाली एजेंसी, राज सेवा से नियुक्त पीआईयू से समन्वय बनाकर कार्य करेंगें। इसी तारतम में जोन क्रं. 4 वार्ड क्रं. 38 में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता, जोन के स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक, एनयूएलएम के मिशन मैनेजर, पीआईयू, लोक कर्म विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएँ, सीईओ, सीआरपी द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। मकानो एवं दुकानो में जाकर सबसे स्वच्छता बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील गई। स्वच्छता में टॉप 10 में लाने के लिए विशेष कार्यो पर ध्यान देना होगा। प्रत्येक धर, दुकान से निकलने वाले गीले एवं सुखे कचरे को अलग-अलग करके देना होगा। शहर में कहीं भी कचरे का ढेर न हो निगम के स्वच्छता गाड़ियो में ही कचरा डालें। सार्वजनिक शुलभ शौचालय साफ हो, सड़को गलियों की सफाई हो, बाजार और दुकानो के बाहर डस्ट बीन रखना होगा। जलाशय, सार्वजनिक स्थल, नगर निगम के उद्यान, व्यापारी प्रतिष्ठान, हाउसिंग सोसायटी, चैंक चैराहों आदि जगहो को साफ-सुथरा रखना होगा। विधायक, महापौर, आयुक्त ने सभी नागरिको से अपील की है कि सबके सहयोग से ही अपने भिलाई को स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप 10 में ला सकते हैं।

लिनेस क्लब द्वा गोदित शाला न्यू राजेंद्र में वृक्षारोपण एवं वितरण किया गया

रायपुर। लिनेस क्लब द्वारा 26 जुलाई को गोदित शाला न्यू राजेंद्र नगर में वृक्षारोपण कर, बच्चों को कॉपी, पेन्सिल एवं केक, मिठाई, चाकलेट, बिस्किटस बांटे गए। वहां उपस्थित लोगों को फल वितरण भी किया गया। आज इस कार्यक्रम में लि. सुतेखा मुखर्जी लि. अपराजिता शर्मा लि. प्रियंका मिश्रा एवं क्लब की पी एस टी की उपस्थिति में एवं स्कूल टीचर्स की के सहयोग के साथ सम्पन्न हुआ।

ग्रामीण संयोजक एवं ड्रेसर की चयन सूची जारी

बिलासपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक (पुरूष) एवं ड्रेसर ग्रेड 1 के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों की सूची जिले के वेबसाईट https://bilaspur.gov.in एवं www.cghealth.nic.in पर अपलोड एवं कार्यालय के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 31

बिलासपुर। कामगार सहकारी समिति मर्यादित कौडिया में आगामी तिथि में साधारण अथवा विशेष साधारण सभा संपन्न होना है। सोसाइटी के सदस्यों की मतदाता सूची प्रकाशन कर दिया गया है। मतदाता सूची कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा सीपत के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 31 जुलाई तक कार्यालयीन समय में सोसाइटी कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मीनू अग्रवाल के समक्ष प्रस्तुत किये जा सकते है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण सदस्यों के उपस्थिती में संपन्न किया जाएगा अलग से कोई जानकारी नहीं दिया जाएगा।

मझगांव स्कूल में शिक्षा सप्ताह का आयोजन

बिलासपुर। शिक्षा सप्ताह के पांचवे दिन कोटा ब्लॉक के मझगाँव शासकीय स्कूल में कौशल एवं डिजिटल पहल विषय पर छात्रों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कक्षा 11 वी से जयदीप यादव ने बचाइए समय और पैसा विषय पर विभिन्न मोबाइल एप और उनको चलाना, सूरज कुमार बंदे ने डिजिटल इंडिया अभियान, कु रोमा मरावी ने ई लाइब्रेरी, कुणाल खुसरो ने कूकू एफ एम, प्रशांत जाय सवाल ने मोबाइल के लाभ हानि विषय पर अपने विचार रखे। व्याख्याता द्वय श्रीमती सुशील ओट्टी ने डिजि लाकर, पूनम सिंह ने ई कॉमर्स पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन लीला राम खूंटे व्याख्याता ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य शैलेश कुमार पांडेय, सभी शिक्षक सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों ने किया किसानों के खेतों का भ्रमण

बिलासपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरूण कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जिले के विभिन्न विकासखण्डों में लगी फसलों मुख्यतः धान, सोयाबीन व तिल का निरीक्षण किया गया। सोयाबीन फसल में तंबाकू की इल्ली एवं तिल की फसल में पत्ती मोड़क तथा तना व जड़ गलन का प्रकोप देखने को मिला। कीट व रोग विशेषज्ञों द्वारा सोयाबीन व तिल फसलों में कीटों के प्रबंधन हेतु रासायनिक दवा इमामेक्टिन बेंजोएट या फ्लूबेण्डामाइड का छिड़काव करने की सलाह दी गई। तिल के तना व जड़ गलन से रोकथाम के लिए स्पॉट ड्रेंचिंग हेक्साकोनाजोल का छिड़काव करने की सलाह दी गई। नैदानिक वैज्ञानिक प्रक्षेत्र भ्रमण में डॉ. जयंत साहू, डॉ. एकता ताम्रकार, इंजि. पंकज, मिंज एवं डॉ. स्वाति शर्मा उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों के रेलवे कंसेशन के लिए यूनिक कार्ड शिविर का का आयोजन 29/30को

राजनांदगांव। दिव्यांगजनों को रेलवे यूनिक आईडी कार्ड शिविर सांसद संतोष पांडे की पहल पर 29/30जुलाई को राजनांदगांव स्टेशन फ्लैट फार्म नंबर एक 29के प्रातः दस बजे से प्रारंभ होगा। संस्कार श्रद्धांजलि के अध्यक्ष सतीश भट्टड़ ने बताया की यह शिविर काफी लंबे अंतराल से न होने से उन्होंने व रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति के शशांक तिवारी ने सांसद संतोष पांडे जी का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया। जिसके फलस्वरूप वह शिविर आयोजित होने जा रहा है। श्री भट्टड़ ने जिले के अधिक से अधिक दिव्यांग भाई बहनों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए सभी महत्वपूर्ण फॉर्मेल्टी जन्म प्रमाण पत्र आधार कार्ड मार्क लिस्ट जन्म तारीख अंकित वाली मेडिकल सर्टिफिकेट लेटेस्ट वाला दिव्यांग सर्टिफिकेट सहित सभी महत्वपूर्ण पेपर साथ लाने का अनुरोध किया है। ज्ञात रहे इससे पहले भी संस्कार श्रद्धांजलि की पहल पर पूर्व सांसद अभिषेक सिंह के विशेष सहयोग से दस से ऊपर शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों में ही स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने की पहल !

बिलासपुर। मंडल प्रशासन द्वारा रेलवे कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए रेलवे चिकित्सालय के साथ ही साथ कर्मचारियों के कार्यस्थलों में भी स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ अथवा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यस्थलों में कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ ही स्वास्थ्य परामर्श दिया जा रहा है। इसी संदर्भ में मंडल चिकित्सा विभाग द्वारा आज दिनांक 26 जुलाई 2024 को बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक कार्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वित्त विभाग के कुल 63 कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान कर्मचारियों के रक्तचाप, मधुमेह, हाइट व वेट जांच के साथ ही विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान 32 कर्मचारियों का टीकाकरण भी किया गया। शिविर में अनुबंधित चिकित्सक डॉ. पी के सरदार एवं वरि. मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ मनमीत टोपनो द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई तथा चिकित्सा विभाग के स्वास्थ्य निरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा विभिन्न बीमारियों के लक्षण, प्रकार, बीमारियों से होने वाली हानियां तथा बचाव हेतु परहेज करने के अलावा अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित परामर्श भी दी गई।

एबीवीपी ने करगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन दी श्रद्धांजलि

गौरेला। करगिल विजय दिवस के 25 वें वर्ष पर एबीवीपी गौरेला एवं पेंड्रा के कार्यकर्ताओं ने गौरेला के संजय चौक पे कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किया और सभी जांबाज शहीद जवानों को याद किया।

इस मौके पर एबीवीपी की बिलासपुर विभाग छात्रा प्रमुख भाव्या शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रही उन्होंने कहा भारत की अखंडता और हम भारतवासी की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए देश के वीर जवानों ने आज से पच्चीस साल पहले करगिल में हुए भारत पाकिस्तान युद्ध में अपनी जान की परवाह किये बिना विषम परिस्थितियों में युद्ध लड़ा जिसमें सेंकड़ों लोग शहीद हुए,आज हम सभी शहीद जवानों को याद कर नमन करें और उनकी स्मृति अपने हृदय में बनाये रखें।

एबीवीपी की कार्यकर्ता रूपा ने कहा की भारत माता की जय के लिए समय समय पर लाखों लोगों ने अपना सर्वस्व बलिदान दिया है इस लिए में सभी विद्यार्थियों से आवाहन करती हूँ की भारत माता की जय बोलने वाले छात्र संगठन एबीवीपी से जरूर जुड़ें, भी हमारी सदस्यता अभियान भी चल रही है।

एबीवीपी की कार्यकर्ता श्रुति केसरवानी ने कहा कि एबीवीपी व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के विचार पर कार्य करती है, इसलिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे छात्र संगठन से गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के सभी छात्र-छात्राओं को जरूर जुड़ना चाहिए और इसके सदस्यता जरूर लेनी चाहिए। इस मौके पर एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और पेंड्रा जिला विद्यार्थी विस्तारक शुभम पाठक, मानस अग्रवाल, अभय तिवारी, तरुण ठाकुर, श्रेयांश, आदित्य, रणवीर,वैभव, सुमन, दीपिका, देशव सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बासी खादय पदार्थ बेचने वालों पर निगम भिलाई ने अर्थदण्ड वसूला

भिलाईनगर। लगातार बारिश को देखते हुए समस्या निवारण हेतु नगर निगम भिलाई का अमला निरंतर भ्रमण कर रहा है। दुकानो में जाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के जप्ती एवं चालानी कार्यवाही तथा बेचे जा रहे खादय सामग्री का भी निरीक्षण कर रहा है,कि खाने योग्य है कि नही। इसी तारतम्य में जोन क्रं. 01 का दल द्वारा सड़क पर ठेला लगाकर खादय सामग्री बेचने वाले 6 दुकानो के सामग्री की जॉच की गई। जॉच के दौरान पाया गया कि कुछ दुकानदारो द्वारा खादय सामग्री बासी बेची जा रही है। उसमें दुर्गध आ रहा था बेचने की योग्य नहीं था। खाने वाले ग्राहको को गरम करके परोसा जा रहा था। बासी खादय सामग्री का जप्ती करते हुए जमीन में गडकर, ब्लीचिंग पाउडर डालकर विनिष्टीकरण किया गया। संबंधितो से 2000 रूपया अर्थदण्ड भी वसूला गया। उसे चेतावनी दी गई दुबारा बेचते हुए पाये जाने पर ठेला ही जप्त कर लिया जायेगा। खादय सामग्री खरीद के खाने वालो को भी चेताया गया कि इस प्रकार खुले में बेचे जा रहे बासी खाने को, ताजा समझ कर खाने से बचें। इसी प्रकार के खादय सामग्री खाने से फूड प्वाइजनिंग हो सकता है। नगर निगम भिलाई आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी को निर्देश दिये है कि सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालो पर सक्त कार्यवाही की जावे। दल के सदस्य सभी बाजारो में, दुकानो पर जाकर निरीक्षण करें। जो भी दुकानदार सिंगल यूज प्लास्टिक में सामान बेचते हुए पाया जाए, उसकी जप्ती बनाते हुए चालानी कार्यवाही भी की जावे। इसी प्रकार जो नागरिक नाली में कचरा फेकते हुए पाया जाये उनसे भी चालान काटा जावे। जोन क्रं. 05 द्वारा हुड़को में नाली में कचरा फेकने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले 11 दुकानदारो से 1350 रूपया अर्थदण्ड काट कर रसीद दिया गया। कार्यवाही के दौरान वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, जोन राजस्व अधिकारी धीरज साहू, मलखान सिंह सोरी, जे. पी. तिवारी, बालकृष्ण नायडू, अनिल मेश्राम, जोन के स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, अंजनी सिंह, कन्हैया यादव, मंगल जांगड़े, विष्णु एवं तोडफोड दल के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. राजेन्द्रन पेरिस ओलम्पिक में आब्जर्वर के रुप में भाग लेने रवाना

रायपुर। इंटरनेशनल ओलम्पिक कमेटी द्वारा 33वीं ओलम्पिक खेल का आयोजन पेरिस (फ्रांस) में दिनांक 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। पेरिस ओलम्पिक खेल 2024 में भारत के 16 खेलों एथलेटिक्स, तिरंदाजी, बैडमिन्टन, बॉक्सिंग, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोविंग, सेलिंग, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस, भारोत्तोलन एवं कुश्ती के 117 खिलाड़ी भाग ले रहे है। पेरिस ओलम्पिक खेल में बॉक्सिंग खेल का आयोजन दिनांक 27 जुलाई से 04 अगस्त 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। पेरिस ओलम्पिक खेल के लिये छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आर. राजेन्द्र को बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री आर. राजेन्द्रन दिनांक 25 जुलाई 2024 को रायपुर से दिल्ली होते हुये पेरिस के लिये रवाना हुये। श्री आर. राजेन्द्रन बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के सहसचिव भी है। श्री आर. राजेन्द्रन बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के इंटरनेशनल टेक्निकल ऑफिशल्स क्वालीफाइड 2023, रिंग ऑफिसियल कमीशन के डेपुटी चेयरमेन तथा टेक्निकल एवं रूल्स कमिशन के सचिव भी है। आर. राजेन्द्रन की इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जूड रॉड्रिक्स, उपाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश अवस्थी, श्री नूतन सिंह ठाकुर, श्री नरेश डाकलिया, महासचिव श्री चूड़ामणि ठाकुर, सहसचिव श्री रंगनाथन, श्री नवीन दास, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री सतीश यादव, वरिष्ठ बॉक्सर श्री लालमन यादव, श्री पी.के. राय, श्री कुलदीप सोनकर सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के समस्त जिलों/इकाई के अध्यक्ष सचिव एवं राज्य के खिलाड़ियों ने बधाई देते हुये अपनी अपनी शुभकामनाये प्रदान की।

कहार भोई समाज की महासभा 27 एवं 28 जुलाई को

नयापारा राजिम। छत्तीसगढ़ कहार भोई समाज का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन (महासभा) का आयोजन 27 जुलाई शनिवार को त्रिवेणी संगम की पावन धरा नयापारा राजिम में मंडी के सामने स्थित कहार भोई समाज सामुदायिक भवन में संपन्न होगा। इसके शुभारंभ एवं दीप प्रज्वलित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे। अध्यक्षता अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि राजिम विधायक रोहित साहू, न पा प गोबरा नवापारा पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, भाजपा मंडल अध्यक्ष नवापारा उमेश यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजिम कमल सिन्हा,नेता प्रतिपक्ष प्रसन्न शर्मा, पार्षद पाल सिंह बाबी चावला, पूर्व पार्षद परदेशी राम साहू, भाजपा युवा नेता किशोर देवांगन होंगे। इसी तरह समापन समारोह 28 जुलाई रविवार के मुख्य अतिथि अभनपुर पूर्व विधायक धनेंद्र साहू, न पा प गोबरा नवापारा अध्यक्ष धनराज मध्यानी, न पा प गोबरा नवापारा उपाध्यक्ष चतुर जगत, पूर्व उपाध्यक्ष जीत सिंह , ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा, एल्डरमेन रामा यादव होंगे। कार्यक्रम के लिए सभी सामाजिक बंधुओं को सादर आमंत्रित करते हुए छत्तीसगढ़ कहार भोई समाज महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भुवन लाल अवसरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष पदमा कहार, प्रदेश महासचिव पुष्कर कहार, प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश चंद्र गोहिल, राजिम राज अध्यक्ष विक्रम धृत्रकेतु, कोषाध्यक्ष अजय कश्यप ने उपस्थित होने की अपील की है।

गौरेला में पानी मांगने के बहाने महिला की हत्या

गौरेला। गौरेला में एमपी बॉर्डर में अज्ञात युवक ने धारदार हथियार से घर में घुसकर महिला की हत्या कर दी गई। पूरी घटना छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा में स्थित खैरझिटी गांव की है। वहीं

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया है। जानकारी के मुताबिक, मामला गुरुवार 25 जुलाई का है। महिला का ससुर अनुज प्रताप सिंह (74) ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे घर के आस पास भैंस चरा रहा था। वहीं दोपहर करीब 3 बजे घर के तरफ से बच्चों के रोने की आवाज आई। आवाज सुनकर भागते हुए घर गया तो नीम पेड़ के नीचे बहू राधा सिंह (37) मृत हालत में पड़ी थी, जिसके सिर में गंभीर चोट था और खून बह रहा था।

महिला का बेटे ने देखी पूरी वारदात- महिला का बेटा आदर्श सिंह (13) ने बताया कि एक व्यक्ति आया था और मां से पानी पीने के लिए मांगा। मां ने पीने के लिए उसे पानी दिया। उसके बाद उस व्यक्ति ने मां के हाथ को पकड़कर घसीटते हुए कुछ दूर नीम के पेड़ के पास ले गया और किसी चीज से सिर में कई बार मारने लगा। इससे मां के सिर से खून निकलने लगा।

सिर में गंभीर चोट लगने से मौत- गौरेला पेंड्रा मरवाही एएसपी ओम चंदेल ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने और ज्यादा खून बहने के कारण महिला की मौत हुई है। मामले की सूचना मिलते ही गौरेला पुलिस मौके पर पहुंची थी और फॉरेंसिक एवम पुलिस डॉग स्क्वायड की टीम की मदद से मामले की जांच में जुटी हुई है।

वारदात के वक्त मौजूद थे बच्चे- वारदात के वक्त मौजूद बच्चों ने बताया कि अज्ञात आरोपी ने फुल बांह की सफेद रंग की टी-शर्ट पहनी हुई है, उसमें काले रंग की धारी बनी हुई है। आरोपी नाटे कद का है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुट गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे कार्यो पर कलेक्टर ने जताई गहरी नाराजगी

बिलासपुर। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने आज प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यो की गहन समीक्षा की। आवास योजना की मॉनीटरिंग के लिए मैदानी स्तर पर 63 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

कलेक्टर ने कार्यो की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए अपूर्ण कार्यो को हरहाल में 30 सितम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए। 1 अगस्त को जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। महतारी वंदन योजना की सवा 4 लाख महिलाएं भी इस पौधरोपण अभियान में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगी। कलेक्टर ने इसकी समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि समस्त अधूरे लगभग 4 हजार कार्यो को सितम्बर तक पूर्ण किया जाए।

इसमे किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि वे कार्यो की मॉनीटरिंग सतत रूप से करें। इसी प्रकार पीएम जनमन आवास योजना के अधूरे कार्यो पर भी नाराजगी व्यक्त की। बैठक में बताया गया कि 1 हजार 97 पीव्हीटीजी के पात्र हितग्राही है।

जिनमें 655 कार्य स्वीकृत किए गए है। 475 कार्य के लिए प्रथम किस्त की राशि जारी की गई है, 250 हितग्राहियों को दूसरी किस्त की राशि, 147 हितग्राहियों को तीसरी किस्त और 13 हितग्राहियों को चौथी किस्त जारी की जा चुकी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि- 24.07.2024

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-स.क्र. 01,02 पत्थलगांव, स.क्र. 3,4 जशपुर एवं स.क्र. 5 सूरजपुर संभाग
03. स.क्र. स.क्र. 01 स वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार, स.क्र. 02 से 05 द वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि 14.08.2024

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1.	39	जिला जशपुर के खुटगांव से घींचा पहुंच मार्ग लंबाई 1.40 कि.मी. का निर्माण कार्य। पुल पुलिया सहित। (प्रथम आमंत्रण)	180.21
2.	40	संभाग पत्थलगांव अंतर्गत जी ए डी क्वार्टर, विश्रामगृह, अस्पताल भवन तहसील भवन एवं अन्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य।	49.61
3.	41	उपसंभाग बगीचा अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत का कार्य (पहला निमंत्रण)	22.00
4.	42	उपसंभाग कुनकुरी अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य (पहला निमंत्रण)	35.00
5.	43	शासकीय महाविद्यालय भवन रामानुजनगर जिला सूरजपुर में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	55.22

जी- 242501340/4

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, अंबिकापुर मंडल, अंबिकापुर

समाचार संक्षेप

मुख्यमंत्री ने शत्रुघ्न प्रसाद शर्मा के निधन पर व्यक्त किया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्री शत्रुघ्न प्रसाद शर्मा के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया हैं। वे वरिष्ठ पत्रकार तथा देशबंधु और हाईवे चैनल के पूर्व संपादक और दैनिक समाचार पचीसा के प्रधान संपादक श्री शशांक शर्मा के पिता थे। मुख्यमंत्री ने मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है तथा शोकाकुल परिवारजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

नन्हीं वर्षा को मिली व्हीलचेयर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू हुई है। राज्य के निःशक्तजनों के लिए सरकार सहारा बन रही है। जिसके समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राहत पहुंचाने का कार्य हो रहा है। निराश्रित, बुजुर्ग एवं दिव्यांग हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं पर काम हो रहा है। जिला कांकेर, ग्राम गोतपुर आवास पारा निवासी 13 वर्षीय कुमारी वर्षा 80 प्रतिशत दिव्यांग है और चलने-फिरने में अक्षम है। उसे कहीं भी जाने के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता था। अब उसकी राहे आसान हो गई है और वह अपना सफर पूरा करने के लिए खुद सक्षम है। क्योंकि समाज कल्याण विभाग द्वारा व्हील चेयर प्रदान किया गया। व्हील चेयर मिल जाने से अब उन्हें गांव से बाहर आने-जाने में आसानी होगी। समाज कल्याण विभाग की अधिकारी श्रीमती क्षमा शर्मा ने बताया कि दिव्यांग वर्षा के पिता कमलेश के द्वारा व्हीलचेयर प्रदान करने हेतु आवेदन किया गया था, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए समाज कल्याण कार्यालय परिसर में व्हीलचेयर प्रदान किया गया।

बिलासपुर और जगदलपुर स्वदेश दर्शन 2.0 में शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक खूबसूरती और गौरवशाली आदिम संस्कृति को देखते हुए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा बिलासपुर और जगदलपुर को स्वदेश दर्शन 2.0 में शामिल किया गया है। जशपुर के अप्रतिम प्राकृतिक स्थल 'मयाली बगीचा' के विकास के लिए इसे उप-योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' में शामिल किया गया है। इसके अलावा सूरजपुर जिले के धार्मिक स्थल कुदरगढ़ मंदिर के कायाकल्प के लिए इसे 'प्रसाद' योजना में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के धार्मिक और पर्यटन स्थल की भव्यता एवं उसके कायाकल्प के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा इन जगहों का चयन किया जाना। प्रदेशवासियों के लिए खुशी का विषय है। जिसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि 27 जुलाई पर नमन किया है। राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद करते हुए श्री साय ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने कई वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाईल कार्यक्रम को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया। पूरा विश्व आज उन्हें मिसाइलमैन के रूप में जानता है। बचपन में कठिन परिस्थितियों के बावजूद डॉ. कलाम ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की और भारत के सर्वोच्च पद तक पहुंचे। उन्होंने अपने फौलादी इरादों और सहज स्वभाव से लोगों के दिलों में अपनी अमिट जगह बनाई। डॉ. कलाम जैसे व्यक्तित्व बिरले होते हैं। उनके द्वारा दी गई शिक्षा और उनका मार्गदर्शन हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

सदन में डायरिया-मलेरिया पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने

मंत्री केदार कश्यप के पूर्व मुख्यमंत्री पर कसे तंज से नाराज विपक्ष ने किया बहिर्गमन

रायपुर » दैनन्दिनी.

विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष मलेरिया और डायरिया पर आमने-सामने थे. चर्चा के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा- पिछली सरकार में अगर तब के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य विभाग की ओर ध्यान दे दिए रहते तो आज ये हालात नहीं होती. केदार कश्यप के बयान से नाराज विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया. विपक्ष के वॉकआउट पर बीजेपी सदस्यों ने 'घड़ियाली आंसू मत बहाओ' के नारे लगाए.

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मलेरिया और डायरिया भयावह है. यही वजह है कि हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है. रतनपुर इलाके में एक बैड पर तीन-तीन मरीजों को रखा गया. सभी जिलों में स्थिति खराब है. लेकिन स्वास्थ्य मंत्री फिर भी इंकार कर रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा मलेरिया से 15 लोगों की मौत हुई है, लेकिन डायरिया से मृत्यु किसी की नहीं हुई है. मैं मानता हूँ कि अभी कोविड जैसी स्थिति डायरिया के लिए व्यवस्था नहीं हो सकती है.

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि एक ध्यानाकर्षण में कितने सवाल किए जा सकते थे? और क्या अकेले भूपेश बघेल ही सवाल करते रहेंगे. इस पर व्यवस्था दी जाए. इसके साथ ही उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि आप भूपेश बघेल के लिए कुछ ज्यादा ही उदार नजर आ रहे हैं. इस उदारता का क्या कारण है ? नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि क्या यह भी सही नहीं है कि मलेरिया-डायरिया से मौत हो रही है. उस पर हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था ? क्या यह भी सही नहीं है कि हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों को नोटिस दिया है ? स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया यह सही है, और हम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर रहे हैं.

महंत ने कहा कि 12 करोड़ की दवाई को एक्सपायरी बताकर फेंक दिए हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 12 करोड़ की नहीं 87 लाख की दवाइयाँ एक्सपायरी हुई है. मच्छरदानी हमनें नहीं खरीदी है, भारत सरकार ने जो भेजी है उसका वितरण किया है. स्वास्थ्य मंत्री के जवाब से

असंतुष्ट विपक्ष ने बहिर्गमन किया. इसके पहले विधानसभा में भाजपा विधायक मोतीलाल साहू ध्यानाकर्षण के जरिए मुद्दा उठाते हुए प्रदेश के कई जिलों में मलेरिया और डायरिया के प्रकोप की बात कही. मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने बताया कि सभी जिलों में लगातार जांच की जा रही है. मंत्री ने बताया कि बस्तर संभाग में मलेरिया नियंत्रण में है. वहीं दो बच्चों की मौत का कारण देर से अस्पताल लाया जाना है. इसके साथ ही मच्छरदानी का वितरण लगातार किया जा रहा है. दवाओं की भी पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है.मोतीलाल साहू ने कहा कि पिछली सरकार ने भुगतान नहीं किया इसलिए दवाओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है. मंत्री ने स्पष्ट किया कि कहीं भी पेमेंट नहीं होने की वजह से दवाओं की आपूर्ति नहीं रोकी गई है. दवाओं और जांच किट की पर्याप्त आपूर्ति की गई है. विभाग की टीम बस्तर में नाव से दूरस्थ गांवों तक पहुंचकर जांच कर रही है, कहीं भी कोई कमी नहीं है, पिछली सरकार से अधिक जांच की गई है.भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने सुझाव दिया है जिले के उच्च अधिकारियों से लेकर निचले स्तर के कर्मचारियों को निर्देशित किया जाए. मलेरिया पीड़ितों की जानकारी सही समय पर स्वास्थ्य विभाग तक पहुँच जाए. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 6 विभागों में समन्वय के जरिए काम कर रहे हैं.कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में दो लोगों की मृत्यु मलेरिया से हुई है. मैंने मंत्री से आग्रह किया था कि बेलगहना के आस-पास कैंप लगवा दिया जाए. लेकिन अभी तक कैंप नहीं लग पाया है. अंदरुनी इलाकों में जो जरूरी तैयारियां वो पूरी हुई चाहिए. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रभावित इलाके में टीम गई थी. कोटा के आस-पास 385 मरीज भर्ती थे, लेकिन मलेरिया से किसी की मृत्यु नहीं हुई है.अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा मेरे विधानसभा क्षेत्र में डेंगू-मलेरिया के मरीजों की संखया बढ़ी. कुछ लोगों की मृत्यु भी हुई है. अस्पतालों में व्यवस्था पर्याप्त रूप से की जाए. स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि जांजगीर जिले में किसी की मृत्यु डायरिया से नहीं हुई है.

विद्यार्थी कारगिल विजय दिवस का संदेश आत्मसात कर शूरवीर व पराक्रमी बनें: पुरोहित

सशिमं में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

बागबाहरा। सरस्वती शिक्षा संस्थान के जिला प्रतिनिधि (महासमुंद) और स्थानीय स.शि.मं. संचालन समिति के सदस्य अनिल पुरोहित ने विद्यालय में अध्ययनरत भैया-बहनों से राष्ट्र-चिंतन और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु तत्पर और सजग होने का आग्रह किया है। श्री पुरोहित शुक्रवार को स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उ. मा. विद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आहूत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पुरोहित ने कारगिल संघर्ष की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अब यह आवश्यक है कि समाज के सभी वर्ग राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनें। शहीदों को नमन और वीर जवानों का अभिनंदन करने के साथ-साथ भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को आत्मसात करें, यही कारगिल विजय दिवस का मूल संदेश है। श्री पुरोहित ने कहा कि आज हम जितनी भी उपलब्धियां अर्जित कर लें, लेकिन उसका उपभोग हम तभी कर सकेंगे जब हमारा यह राष्ट्र अपने सांस्कृतिक मूल्यों, जीवन मूल्यों, आदर्शों और गौरव प्रतीकों पर गर्व करके एक अखंड और अक्षुण्ण राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाए रखे। श्री पुरोहित ने विद्यालय के आचार्यों, दीदीजी और सभी अभिभावकों व शुभचिंतकों से भी आग्रह कि वे राष्ट्र के प्रति समर्पण का संस्कार विद्यार्थियों में विकसित करें। श्री पुरोहित ने पाकिस्तान के आतंकी कारनामों व छद्म युद्ध की चर्चा करते हुए कहा कि देश आज केवल सीमा और सीमा पार की चुनौतियों से ही नहीं जूझ रहा है, अपितु जातिवाद, साम्प्रदायिक तुष्टीकरण, समाज को बाँटने वाले झूठे नैरेटिव से भी युद्ध कर रहा है और भावी भारत भाग्य विधाता के रूप में विद्यार्थियों की एक ऐसी प्रखर व मुखर पीढ़ी की रचना समय की माँग है जो इस राष्ट्र को स्वाभिमानी, शक्तिशाली और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिक्षण तत्पर रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षीय आसंदी से अपने संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य नंदूराम निर्मलकर ने भारत-पाक युद्धों और शेख अब्दुल्ला के कारनामों पर प्रकाश डाला और महाराजा हरिसिंह से माफी मांगकर जेल से छूटने का ब्योरा दिया। श्री निर्मलकर ने कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम्, भारत माता, सरस्वती माता व अमर शहीदों के चित्रों के पूजन व दीप प्रज्जवलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन बहन सृष्टि साहू व साधना देवांगन ने किया। इस अवसर विद्यार्थी भैया-बहनों व आचार्य-परिवार के साथ-साथ अभिभावक व गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में भी अग्निवीरों को मिलेगा आरक्षण, सीएम साय ने की घोषणा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को एक बड़ा ऐलान कर दिया है। सीएम साय ने ऐलान किया है कि, छत्तीसगढ़ सरकार सेवा के पश्चात् अग्निविरों को नौकरी में प्राथमिकता देगी। छत्तीसगढ़ के अग्निवीर जब भारतीय सेना में अपनी सेवा के पश्चात वापस आएंगे तो छत्तीसगढ़ सरकार इन नौजवानों को पुलिस सेवा में आरक्षक, वन सेवा में वन रक्षक और जेल प्रहरी इत्यादि पदों में प्राथमिकता के आधार पर समायोजन की सुविधा देगी। सीएम साय ने कहा कि, सरकार पुलिस में आरक्षक भर्ती, वनरक्षक, जेल प्रहरी आदि के पदों पर अग्निवीरों को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी देगी। उन्होंने कहा कि, सरकार इसके लिए जल्द दिशा निर्देश जारी करेगी।

सदन में पूर्व मंत्री का आरोप-गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल रहा है गर्म खाना

रायपुर » दैनन्दिनी.

विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन गर्भवती महिलाओं को गर्म खाना मिलना बंद होने का उठा मुद्दा. मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने बताया कि योजना बंद नहीं हुई. जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने बहिर्गमन किया.

पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया ने गर्भवती महिला को मिलने वाला गर्म भोजन बंद करने का सदन में मामला उठाया. इस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि योजना बंद नहीं हुई है. डीएमएफ, सीएसआर फंड से गर्म भोजन दिया जा रहा है. इस पर अनिला भेड़िया ने कहा कि कांग्रेस काल में 126 करोड़ का बजट दिया गया था, आज 25 करोड़ का बजट है. फिर से गर्भवती, किशोरी को गर्म भोजन दिया जाए, नहीं तो कुपोषण स्तर बढ़ेगा. मंत्री ने बताया कि 6 महीने में कुपोषण में 12 फीसदी कमी आई है. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि 0 से 3 साल के बच्चों को सुपोषण नहीं दे पा रहे हैं, तो किस बात का सुशासन. वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मंत्री का जवाब असंतुष्ट करने वाला है. इसलिए हम सदन की कार्यवाही से वॉकआउट करते हैं.

प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने 16 भवन विहीन दुकानों के संबंध में सवाल किया. उन्होंने कहा कि सवाल लगने के बाद दुकानों को अलग जगह बदला गया है. कई दुकानों को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है.

चिरायु से सफल इलाज, अब दौड़ने पर नहीं थकेगी अंशु

रायपुर » दैनन्दिनी.

रायपुर। आरंग की बालिका अंशु दौड़ने पर नहीं थकेगी। क्योंकि अंशु को बेहतर इलाज मिला है। इससे वह स्वस्थ्य होने लगी है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर चिरायु की टीम बच्चों को उपचार की सुविधा उपलब्ध करा रही है।

हेल्थ टीम ने 10 जुलाई को ग्राम तुलसी के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में चेकअप करने के लिए भ्रमण किया। हेल्थ चेकअप के दौरान अंशु निषाद पिता रामरतन कक्षा 8 वीं की छात्रा की हृदय गति असामान्य पाई गई। चेकअप के दौरान पाया गया कि बच्ची का चेहरा अन्य बच्चों से अलग है। स्कूल कैंपस में छात्रा को दौड़ने कहा गया तो डॉक्टर द्वारा देखा गया कि बच्ची तुरंत ही थक जा रही है और चेहरा भी नीला पड़ जा रहा है। तुरंत ही बच्चे के माता पिता को बुलाकर अवगत कराया गया कि इसे हृदय रोग विशेषज्ञ को दिखाना होगा। चिरायु टीम की मदद से नवा रायपुर के सत्य साई हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डाक्टर द्वारा जांच में पता चला कि दिल में छेद है, जिसे बंद करना आवश्यक है। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए तुरंत ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चैधरी ने चिरायु टीम को निर्देशित किया गया

कि अतिशीघ्र ही एडमिट कराया जाए। 23 जुलाई को एडमिट उपरांत सर्जरी भी हो गई और 25 जुलाई 2024 को डिस्चार्ज भी कर दिया गया। इस जटिल कार्य को सफलतापुर्वक कराने पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष कुमार मैजरवार, चिरायु टीम के नोडल डॉ. स्वेता सोनवानी, सलाहकार डॉ. रंजना गायकवाड़ एवं विकासखंड आरंग के बी.पी.एम. दीपक मीरे ने चिरायु टीम के डॉ. अबरार आलम, डॉ. शोभा निषाद, ए.एन.एम.श्रीमती टिकेश्वरी साहु एंव एल.टी. मुकेश कुमार साहु की सराहना की। अंशु निषाद के माता पिता ने पूरे स्वास्थ्य विभाग का आभार प्रकट किया।

नगरीय निकायों में आज से जनसमस्या निवारण पखवाड़ा

रायपुर » दैनन्दिनी.

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में वार्डवार शिविरों का आयोजन कर समस्याओं का निदान किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में नागरिकों की समस्याओं को हल करने विभागीय अधिकारियों, नगर निगमों के आयुक्तों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को समुचित इंतजाम के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वार्डों में आयोजित शिविरों में महापौरों, अध्यक्षों, पार्षदों और अन्य जन प्रतिनिधियों से उपस्थित रहने की अपील की है, ताकि इनमें आमजन की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हो सके।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राज्य की सभी 184 नगरीय निकायों में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए वार्डवार शिविर आयोजित कर उनका मौके पर ही निराकरण के निर्देश नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को दिए हैं। उन्होंने कहा कि वार्डवार शिविरों के आयोजन से स्थानीय प्रशासन में लंबित शिकायतों का त्वरित निदान होगा और नागरिकों को जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। समस्याओं का निराकरण

हर वार्ड में लगेंगे शिविर, समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा

मौके पर ही शीघ्रता से होने से शहरी सरकार के प्रति लोगों में सद्भाव भी बढ़ेगा।

राज्य शासन द्वारा जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के आयोजन के लिए नगरीय निकायों को जारी परिपत्र में निर्देशित किया गया है कि स्थानीय रहवासियों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना निकाय का मुख्य दायित्व है। नल कलेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, स्वरोजगार के प्रकरण तथा कई विविध छोटे-छोटे कार्य होते हैं, जिनका निराकरण शीघ्र अपेक्षित होता है। इनके साथ ही जलापूर्ति में लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों व गलियों की सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत, सड़कों के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाइट्स का बंद रहना जैसी समस्याएं भी होती हैं। वार्डवार जनसमस्या निवारण शिविरों का उद्देश्य इन समस्याओं के निराकरण के साथ ही नागरिकों को जरूरी जन सुविधाएं उपलब्ध कराना भी है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने नगरीय निकायों के सभी विभागों के अधिकारियों को शिविर में मौजूद रहकर समस्याओं का निराकरण यथासंभव मौके पर ही करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शिविरों में करदाताओं को करों के भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग ने वार्डवार शिविरों के आयोजन के संबंध में वार्ड एवं नगर में व्यापक प्रचार-प्रसार की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि आम नागरिक शिविर का पूरा लाभ प्राप्त कर सके।

हॉस्टल में घुसकर छेड़छाड़ का मामला, कोर्ट ने इंस्पेक्टर को 2 साल के लिए भेजा जेल

रायपुर » दैनन्दिनी.

राजधानी के देवेंद्र नगर स्थित गर्ल्स हॉस्टल में नशे में धुत इंस्पेक्टर ने वार्डन और लड़कियां के साथ छेड़छाड़ की थी. इस मामले में कोर्ट ने कड़ी सजा सुनाई है. एट्रोसिटी के स्पेशल जज पंकज कुमार सिन्हा ने इंस्पेक्टर राकेश कुमार चौबे को 8 हजार रुपये जुर्माना लगाया और दो साल के लिए जेल भेज दिया है. बता दें, यह मामला 24 मार्च 2023 का है, FIR के मुताबिक तात्कालीन ट्रैफिक टीआई राकेश कुमार चौबे ने शराब के नशे में धुत होकर देवेंद्र नगर सेक्टर-3 के एक गर्ल्स हॉस्टल में संचालिका और लड़कियों के साथ छेड़छाड की थी. शिकायत में बताया गया कि इंस्पेक्टर ने वॉर्डन के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश भी की और वॉर्डन के रोकने पर उससे मारपीट कर दी. हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह पूरी घटना कैद हो गई. इसका फुटेज सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था. वीडियो सामने आने के बाद इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया गया था और अब कोर्ट ने इस मामले में आरोपी इंस्पेक्टर को जेल भेज दिया है.

'मयाली नेचर कैंप' स्वदेश दर्शन योजना में शामिल

रायपुर » दैनन्दिनी.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जिले के प्रसिद्ध प्राकृतिक और धार्मिक पर्यटन स्थल मयाली को पर्यटन विभाग ने स्वदेश दर्शन योजना के दूसरे चरण में शामिल कर लिया है. इस योजना में शामिल हो जाने से पर्यटन स्थल में बुनियादी सुविधाओं का विकास तेजी से हो सकेगा. साथ ही इसके प्रचार प्रसार होने से यहां पर्यटकों की हलचल बढ़ने की संभावना भी है.

मयाली का महत्व और सुविधाएं

उल्लेखनिय है कि मयाली नेचर कैम्प,जिले के कुनकुरी ब्लाक में चराईडांड़ बगीचा स्टेट हाईवे में स्थित है. बेलसोंगा डेम और एशिया की सबसे उंचा शिवलिंग माना जाने वाला मधेश्वर पहाड़ का विहंगम मनमोहक दृश्य पर्यटकों को घंटों समय व्यतीत करने का अवसर देता है. वनविभाग ने इस स्थल पर पर्यटकों की सुविधा के लिए टेंट की व्यवस्था भी की है. इन टेंट हाउस में डेम के किनारे,हरियाली से भरे हुए प्राकृतिक स्थल पर रात्रि विश्राम का परिवार के साथ आनंद उठाने के लिए भारी संख्या में पर्यटक जुटते हैं. विशेष कर विकेंड के दिनों में यहां पर्यटकों की हलचल अधिक रहती है.

पर्यटकों को मयाली नेचर कैंप में बोटिंग का आनंद उठाने की सुविधा भी दी गई है. इसके लिए गाइड के साथ सुरक्षा के सभी इंतजाम किये गए हैं. राज्य सरकार के सहयोग से मयाली नेचर कैम्प में कैकट्स गार्डन का विकास भी किया जा रहा है. इस विशेष गार्डन में देश भर

में पाएं जाने वाले कैक्ट्स की प्रजातियों को समेटा गया है ताकि युवा पीढ़ी कैम्टस से भली भांति परिचित हो सके. इसका एक उद्देश्य लोगों को बायोडायर्वसिटी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है.

विकास के लिए दस करोड़ की स्वीकृति

स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करने के साथ ही पर्यटन विभाग ने मयाली के विकास के लिए 10 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है. इसके लिए जिला स्तरीय संचालन समिति का गठन करते हुए,विकास के लिए एक्शन प्लान और डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया गया है.

दिल्ली रवाना हुए सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साव शुक्रवार शाम नई दिल्ली रवाना हो गए। वे शनिवार को सुबह 9 बजे नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल उपस्थित होंगे। मुख्यमंत्री साय बैठक में छत्तीसगढ़ की आवश्यकताओं, चुनौतियों और विकास योजनाओं पर चर्चा करेंगे। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, और डिजिटल अधोसंरचना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा, वे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com